शुक्रवार
19 जुलाई 2024

पृष्ठ 4

टमाटर के आगे फेल हो जाएंगे सारे महंगे...

पृष्ठ 5

रिवीलिंग लहंगा पहन तारा सुतारिया ने...

● देहरादून
● वर्ष 32
● अंक 164
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

आज का विचार

धन उत्तम कर्मों से उत्पन्न होता है, प्रगल्भता (साहस, योग्यता व दृढ़ निश्चय) से बढ़ता है, चतुराई से फलता फूलता है और संयम से सुरक्षित होता है। — विदुर

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक

email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com

आर.एन.आई.- 59626/94

डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

कांवड़ यात्रा पर विवाद का साया

●ढाबों, होटलों व रेड़ी-ठेली वालों को नाम का बोर्ड लगाने का फरमान

विशेष संवाददाता

देहरादून। उत्तरप्रदेश के बाद उत्तराखण्ड सरकार द्वारा भी कांवड़ यात्रा मार्गो पर होटल-ढाबे व रेहड़ी-ठेली लगाने वालों के लिए संचालक का नाम-पता लिखने के साथ रेट लिस्ट लगाना जरूरी कर दिया गया है। हरिद्वार जिला प्रशासन द्वारा इस पर अमल करते हुए श्यामपुर क्षेत्र में 13 ढाबे व होटल वालों के चालान भी कर दिये गये है।

यूपी सरकार द्वारा दिये गये इस आदेश के बाद मुजफ्फरनगर, मेरठ से लेकर

❑यूपी की तर्ज पर उत्तराखण्ड में भी लागू
❑विपक्ष व सरकार के अंदर भी विरोध

हरिद्वार यात्रा मार्गो पर ढाबे-होटल तथा अन्य कारोबार करने वाले रेहड़ी-ठेली वालो ने पुलिस के कहने पर अपनी पहचान वाले बैनर लगा तो लिये जरूर गये है लेकिन वह इस फैसले का विरोध भी यह करते हुए कह रहे है कि यह मुसलमानों को काम धंधा न करने देने की एक कोशिश हो रही है कि मुसलमानों की दुकानों से सामान न खरीदें। ऐसे में इन छोटे दुकानदार व व्यवसायियों का नुकसान होना स्वाभाविक है। उनका यह भी कहना है कि अगर मुसलमानों को काम भी नहीं करने दिया जायेगा तो वह कहां जायेगें।

उधर एसएसपी हरिद्वार का कहना है कि पहचान न होने के कारण कई बार कांवड़ियों व दुकानदारों के बीच विवाद की स्थिति पैदा हो जाती थी उससे बचने के लिए ऐसा किया जा रहा है। उधर इस मामलें में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष महेन्द्र भट्ट का कहना है कि कानून व्यवस्था को बनाये रखने के लिए की जाने वाली यह पहल पूरे प्रदेश में लागू होनी चाहिए। यह सरकार का उचित कदम है। वहीं कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष करन माहरा ने भी सरकार के इस फैसले का स्वागत यह कहते हुए कहा कि लेकिन इससे किसी भी जाति धर्म के लोगों के हित प्रभावित नहीं होने चाहिए।

खास बात यह है कि उत्तरप्रदेश और उत्तराखण्ड में लागू की जाने वाली इस व्यवस्था को लेकर विपक्षी दलों के नेताओं द्वारा तो साम्प्रदायिक और धार्मिक आधार पर विभाजनकारी ही बताया जा रहा है। खास बात यह है कि इसे लेकर भाजपा और ▶▶ शेष पृष्ठ 7 पर

बेटे ने की मां की चाकू से गोद कर हत्या

हमारे संवाददाता

पौड़ी। पौड़ी गढ़वाल के कोटद्वार शहर में आज सुबह एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। यहां एक कलयुगी बेटे ने अपनी मां की चाकू से गोद कर हत्या कर दी है, हत्या के बाद आरोपी फरार हो गया है। जिसकी पुलिस तलाश कर रही है।

जानकारी के अनुसार घटना आज सुबह कोटद्वार के खुमराह बस्ती इलाके में घटित हुई है जहां एक सगे बेटे ने ही अपनी मां के पेट में चाकू मार कर उसकी हत्या कर दी है। बताया जा रहा है 60 वर्षीय शाहिदा अपने बेटे और बहू के साथ कोटद्वार के खुमराह बस्ती में रहती थी जहां किसी बात को लेकर मां और बेटे का कई दिनों से विवाद चल रहा था।

स्थानीय लोगों का कहना है कि आज सुबह बेटा अपनी मां के पास आया और उसने विवाद शुरू कर दिया विवाद इस कदर बढ़ा कि बेटे ने तैश में आकर चाकू से वार कर अपनी मां की हत्या कर दी। हालांकि इस दौरान घर में छोटी बहू मौजूद थी लेकिन वह घटना के बाद से ही बेहोश है जिसका अस्पताल में उपचार किया जा रहा है।

कोतवाली प्रभारी मणि भूषण श्रीवास्तव का कहना है की घटना के बाद से ही आरोपी बेटा फरार चल रहा है जिसकी तलाश में पुलिस की टीमें छापेमारी कर रही हैं उन्होंने बताया कि जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

उत्तराखंड का एक और सैनिक हुआ लद्दाख सीमा पर शहीद

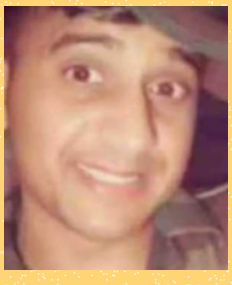

हमारे संवाददाता

देहरादून। उत्तरकाशी जनपद का एक और लाल लद्दाख सीमा पर शहीद हो गया है। सेना के जवान की शहादत की सूचना मिलते ही घर मे कोहराम मच गया है, तथा गांव व क्षेत्र में शोक की लहर ब्याप्त है।

भारतीय सेना में लेह-लद्दाख बॉर्डर पर तैनात उत्तरकाशी जिले के तहसील बड़कोट सरनौल गांव का लाल श्रवण चौहान की अचानक तबियत से दर्दनाक मौत हो गई है जिससे क्षेत्र में मातम पसरा हुआ है। बता दें कि श्रवण कुमार चौहान पुत्र शूरवीर सिंह चौहान भारतीय सेना की 14वीं बटालियन में लेह -लद्दाख बोर्डर में तैनात थे। बीते रोज अचानक स्वास्थ्य खराब होने से सेना ने उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां उपचार के दौरान उनका देहांत हो गया है। उनके शहीद होने की खबर से पूरे क्षेत्र में मातम छा गया है। उनका पार्थिव शरीर आज सुबह चंडीगढ़ पहुंचा है। चंडीगढ से भारतीय सेना के एंबुलेंस से सड़क मार्ग होते उनके पैतृक गांव सरनौल पार्थिव शरीर लाया जा रहा ▶▶ शेष पृष्ठ 7 पर

माइक्रोसॉफ्ट सर्वर में आई खराबी, दुनियाभर में बैंक से लेकर विमान सेवाएं हुई प्रभावित

नई दिल्ली। माइक्रोसॉफ्ट की क्लाउड सर्विस में रुकावट आने से दुनिया के कई देशों में फ्लाइट्स प्रभावित हुईं है। सिर्फ विमान सेवाएं ही नहीं बल्कि कई देशों में बैंकिंग सेवाओं से लेकर टिकट बुकिंग और स्टॉक एक्सचेंज पर भी असर पड़ा है। भारत सरकार ने इन तकनीकी दिक्कतों के बाद माइक्रोसॉफ्ट से संपर्क किया है। कई देशों की सरकारों ने इमरजेंसी बैठक बुलाई है। इंडिगो और स्पाइसजेट जैसी एयरलाइंस का कहना है कि सर्वर में दिक्कत की वजह से सेवाएं ठप हैं। एयरपोर्ट पर चेक-इन और चेक-आउट सिस्टम ठप हो गए हैं। बुकिंग सेवा भी प्रभावित हुई है।

अमेरिका के अलावा ऑस्ट्रेलिया और जर्मनी में भी बैंकिंग, टेलीकॉम, मीडिया आउटलेट और एयरलाइंस की सेवाएं प्रभावित हुई हैं। ब्रिटेन के एक प्रमुख न्यूज चौनल स्काई न्यूज का प्रसारण ठप हो गया। ब्रिटेन की रेल सेवाएं भी बाधित हुई हैं। न्यूज एजेंसी की सेवाएं भी बाधित हुई हैं। इंग्लैंड में हेल्थ बुकिंग सिस्टम भी ठप हो गया है।

वहीं इस दिक्कत के बाद माइक्रोसॉफ्ट की ओर से भी बयान जारी किया गया है। कंपनी की ओर से कहा गया है कि हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता इस समस्या का समाधान करने में है। माइक्रोसॉफ्ट के सर्वर के ठप होने की वजह को लेकर कंपनी की ओर से कहा गया है कि इसका प्रारंभिक मूल कारण बैकएंड वर्कलोड के हिस्से में कॉन्फिगरेशन में बदलाव है। इसकी वजह से स्टोरेज और कंप्यूजर के संसाधनों में रुकावट आ रही है। जिसकी वजह से कनेक्टिविटी में दिक्कत हो रही है। जिसकी वजह से माइक्रोसॉफ्ट 365 की सेवाएं प्रभावित हुई हैं।

दून वैली मेल

संपादकीय

धामों के नाम पर धर्म का धंधा

धामों और मंदिरों के नाम पर देश में सदियों से जो धंधा किया जाता है उसे रोक पाना कोई आसान काम नहीं है। बीते कल राज्य कैबिनेट की बैठक में उत्तराखंड की सरकार द्वारा धामों, मंदिरों और ट्रस्टों के नाम का इस्तेमाल रोकने के लिए कड़े कानून लाने का फैसला लिया गया है। सामान्य तौर पर सरकार की इस पहल को एक अच्छा कदम माना जा सकता है। लेकिन सरकार के इस प्रयास से सब कुछ ठीक हो जाएगा और आने वाले समय में धामों और मंदिरों के नाम का दुरुपयोग नहीं होगा ऐसा संभव नहीं है। दरअसल इस देश के नेताओं द्वारा आस्था के प्रतीक धामों मंदिरों तथा अन्य तमाम धार्मिक संरचनाओं को अपने राजनीतिक मुद्दे के रूप में इस्तेमाल किया, इस समस्या की असल जड़ रहा है। धर्म और धार्मिक संरचनाओं के साथ जातीयों, समुदायों की आस्था का जुड़ा होने के कारण इन मुद्दों पर बड़ी आसानी से राजनीतिक दल और नेताओं द्वारा सामाजिक विभाजन की लकीरें खींच ली जाती है जो उनके वोट बैंक के रूप में राजनीतिक लाभ का आधार तय कर देती हैं। इसके प्रमाण के लिए हमें राम मंदिर आंदोलन या अयोध्या काशी हमारी है अब मथुरा की बारी है जैसे नारों तक जाने की जरूरत नहीं है। अभी बीते 10 जुलाई को जब मुख्यमंत्री धामी ने दिल्ली में केदारनाथ मंदिर का शिलान्यास किया था, जिसे लेकर देहरादून से लेकर दिल्ली तक विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए उसकी पृष्ठभूमि में क्या था? इसे उनके संबोधन से ही समझा जा सकता है। क्या देश के नेताओं और राजनीतिक दलों ने ही धर्म की रक्षा और उनके प्रचार प्रसार का जिम्मा ले रखा है। भले ही कल कैबिनेट की बैठक में उन्होंने यह फैसला किया हो कि धामों व मंदिर और ट्रस्टों के नाम का दुरुपयोग रोकने को कानून लाया जाएगा लेकिन चार दिन पहले वहीं उनके द्वारा विपक्ष कांग्रेस पर राजनीति करने और उन्हें अपने मंसूबों में सफल न होने देने की चेतावनी भी दी जा रही थी। क्या दिल्ली में जब वह केदारनाथ मंदिर के लिए भूमि पूजन कर रहे थे उस समय उन्हें पता नहीं था कि यह मंदिर किस नाम से बनाया जाएगा या उन्हें उसे ट्रस्ट का नाम नहीं पता था जिसने इस मंदिर निर्माण की योजना बनाई। दिल्ली का यह ट्रस्ट श्री केदारनाथ धाम मंदिर ट्रस्ट के नाम से संचालित नहीं हो रहा है। अब जब विवाद ने तूल पकड़ लिया और यह साफ दिखाई देने लगा कि इस फैसले को अगर नहीं बदला तो इससे बड़ा राजनीतिक नुकसान हो सकता है तो ट्रस्ट ने भी मंदिर का नाम बदलने पर सहमति जाता दी और सरकार ने भी सख्त फैसला कर लिया। शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद ने इस विवाद पर कड़े शब्दों में कहा था कि केदार धाम में सोना गायब हो गया किसी ने जांच तक नहीं की अब दिल्ली में केदारनाथ मंदिर के नाम पर घपले घोटाले का जरिया बना रहे हो। धामों के नाम पर यह सब नहीं किया जाना चाहिए। इसमें कोई संदेह नहीं है कि एक आम आदमी यह नहीं समझ सकता कि दिल्ली के श्री केदारनाथ धाम मंदिर ट्रस्ट का केदार धाम से कुछ लेना-देना है या नहीं। अब ट्रस्ट के संस्थापक खुद यह बता रहे हैं तो लोगों को पता चल रहा है। इस ट्रस्ट को बनाने का उनका क्या उद्देश्य था यह भी वह खुद ही जान सकते हैं। अब देखना यह है कि सरकार द्वारा जो फैसला कैबिनेट में लिया गया है उससे धामों मंदिरों और ट्रस्टों के नाम के दुरुपयोग पर कितनी रोक लगा सकेगी और धामों व मंदिरों के नाम पर धर्म का यह धंधा कितना बंद हो सकेगा समय ही बताएगा।

छात्राओं को किया मासिक धर्म के प्रति जागरूक

संवाददाता

रुद्रपुर। किसान राजकीय इंटर कॉलेज में छात्राओं मासिक धर्म स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया।

आज यहां किसान राजकीय इंटर कॉलेज लालपुर में राइजिंग फाउंडेशन द्वारा मासिक धर्म स्वच्छता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें छात्राओं को मासिक धर्म,स्वास्थ्य और स्वच्छता, उचित खान पान की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में छात्राओं को निशुल्क सेनेटरी पैड वितरित किए गए। इस दौरान स्कूल परिसर में दो दर्जन से अधिक छायादार पौधे भी रोपे गए। जागरूकता कार्यक्रम में राइजिंग फाउंडेशन की महिला अध्यक्ष चंद्र कला राय ने छात्राओं को मासिक धर्म से संबंधित जानकारी दी। उन्होंने कहा कि मासिक धर्म एक नेचुरल प्रक्रिया है जिससे घबराने की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि मासिक धर्म का होना कोई अपराध नहीं है और इस दौरान हीन भावना से ग्रसित होने की भी आवश्यकता नहीं है।

सदियों से समाज में बैठी हुई भ्रांतियां को मिटाने की जिम्मेदारी आज युवाओं पर है ताकि भविष्य सुरक्षित हो सके। महावारी स्वच्छता से ही कल का भविष्य स्वस्थ और सुरक्षित हो सकता है। महिला राइजिंग अध्यक्ष ने छात्राओं से इस विषय पर खुलकर बात करने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि मासिक धर्म स्वास्थ्य एवं स्वच्छता, महिलाओं एवं किशोरियों के सेहतमंद जिंदगी व महिला सशक्तिकरण के महत्वपूर्ण पहलुओं में से एक है। शिक्षा एवं जागरूकता की कमी, पारंपरिक सोच एवं गलत धारणाओं के कारण स्वच्छता संबंधी बुनियादी इंतजामों का अभाव आज महिला व किशोरियों के शिक्षा, सेहत एवं सामाजिक स्थिति को गंभीर रूप से प्रभावित कर रहा है। उन्होंने कहा कि मासिक धर्म के प्रति चुप्पी तोड़ कर छात्राओं और महिलाओं में इसके प्रति जागरूकता बढ़ाने की जरूरत है। पेट्रोलियम यूनिवर्सिटी देहरादून की छात्रा मनन अग्रवाल ने कहा कि मासिक धर्म एक सामान्य प्रक्रिया है जो लड़की के सही विकास का चिन्ह है। उन्होंने कहा कि मासिक धर्म के दौरान आहार, आरंभ एवं दर्द से राहत के लिए संतुलित भोजन करना चाहिए, जिसमें फल सब्जियां दालें, दूध इत्यादि काफी मात्रा में हो। उन्होंने पीरियड्स के दौरान साफ सफाई का विशेष ध्यान रखना और सेनेटरी नैपकिन का इस्तेमाल करने की सलाह दी।

जागरूकता कार्यक्रम में शामिल सौ से अधिक छात्राओं ने हिस्सा लिया,जिन्हें निशुल्क सेनेटरी पैड वितरित किए गए बाद में छात्राओं ने स्कूल परिसर में दो दर्जन से अधिक छायादार पौधे रोपे। राइजिंग अध्यक्ष विजय आहूजा ने छात्राओं से इन पौधों की देखभाल अपने छोटे भाई के रूप में करने की अपील की। इस अवसर पर सोनम सिंह, मेरी थापा, अनीता सिंह, रूबी मलिक, ओंकार सिंह ढिल्लो, दीपक अग्रवाल आदि मौजूद थे।

61 राजस्व निरीक्षकों ने लिया नए कानूनों के संबंध में प्रशिक्षण

संवाददाता

टिहरी। पुलिस मुख्यालय के आदेश के बाद जनपद में 61 राजस्व निरीक्षकों व उपनिरीक्षकों को नए कानूनों के सम्बन्ध में प्रशिक्षण दिया गया।

आज पुलिस मुख्यालय के आदेश के क्रम में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद टिहरी गढ़वाल नवनीत सिंह के आदेश के क्रम में जेआर जोशी, जनपद टिहरी गढ़वाल वाचक वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, प्रवीन्द्र सिंह रावत, एवं प्रदीप कुमार, प्रतिसार निरीक्षक पुलिस लाईन चंबा, जनपद टिहरी गढ़वाल द्वारा आज और कल नई न्याय संहिता के संबंध में प्रशिक्षण दिया गया। भारतीय न्याय संहिता 2023, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 तथा भारतीय साक्ष्य अधिनियम 2023 के 01 जुलाई 2024 से संपूर्ण भारतवर्ष में लागू हो गया है के संबंध में पुलिस लाइन चंबा में आज से 02 दिवस का प्रशिक्षण मास्टर ट्रेनरों द्वारा दिया गया जिसमें प्रशिक्षण शिविर में जनपद टिहरी गढ़वाल से (61) राजस्व निरीक्षकों/राजस्व उपनिरीक्षकों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया गया।

समिति ने महान क्रांतिकारी मंगल पाण्डे को जयंती पर याद किया

देहरादून (सं)। नेताजी संघर्ष समिति ने महान क्रांतिकारी स्वर्गीय मंगल पाण्डे की जयंती पर उनको श्रद्धांजलि देकर याद किया। आज यहां नेताजी संघर्ष समिति के कार्यालय कांवली रोड पर महान क्रांतिकारी स्वर्गीय मंगल पांडे जी की जयंती के अवसर पर उन्हें याद किया गया। इस मौके पर समिति उपाध्यक्ष प्रभात डंडरियाल ने बताया कि मंगल पांडे का जन्म 19 जुलाई 1827 को उत्तर प्रदेश के बलिया जिले में हुआ था। बचपन से ही उनमें देश प्रेम की भावना भरी हुई थी 29 मार्च 1857 को मंगल पांडे ने अपने रेजीमेंट के मेजर पर पहली गोली चलाई थी। समिति के प्रमुख महासचिव आरिफ वारसी ने कहा कि स्वतंत्रता आंदोलन में मंगल पांडे की भूमिका अहम थी भारत सरकार ने उन्हें याद कर सम्मान देते हुए 1984 में उनके नाम से डाक टिकट जारी किया था। उनके योगदान को कभी नहीं भुलाया जा सकता देश को आज ऐसे देश भक्तों की जरूरत है। वरिष्ठ राज्य प्राप्त आंदोलनकारी प्रदीप कुकरेती ने इस मौके पर कहा कि हमें अन्याय के खिलाफ एकजुट होकर संघर्ष करना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमें मंगल पांडे के जीवन से प्रेरणा लेनी चाहिए कि देश भक्ति उनके जीवन में कूट-कूट कर भरी हुई थी। स्वर्गीय मंगल पांडे को याद करने वालों में प्रभात डंडरियाल, आरिफ वारसी, विपुल नौटियाल, प्रदीप कुकरेती, सुशील विरमानी, इम्तियाज अहमद, चिंतन सकलानी, दानिश नूर, संदीप गुप्ता, रफीक अहमद सिद्दीकी, नूर नाज आदि उपस्थित रहे।

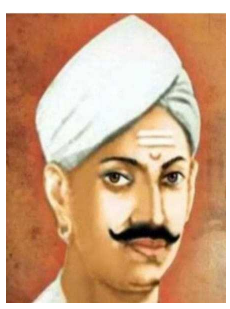

रविवार को होगी डिजिटल तकनीकी पर कार्यशाला

संवाददाता

देहरादून। श्री विश्वनाथ मंदिर के सूचना प्रौद्योगिकी टीम के समन्वयक अंकित ममगाईं ने बताया कि रविवार को डिजिटल तकनीकी पर कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है।

आज यहां अंकित मंमगाईं ने बताया कि आगामी रविवार दैनिक आरती उपरांत श्री काशी विश्वनाथ गुरुकुलम् के एकादश सत्र में डिजिटल तकनीकी एवम दैनिक जीवन में इसके सकारात्मक प्रभाव पर कार्यशाला दी जायेगी। वर्तमान युग में नए कौशल, विधा व तकनीकी सीखने का चलन है और इसमें कोई बाधा नहीं है। समय के साथ तकनीकें उन्नत और विकसित हो रही हैं और हम कह सकते हैं कि कोविड महामारी के बाद का युग पूरी तरह से डिजिटल क्रांति का है। 'डिजिटल जीवन' शब्द एक ऐसी जीवन शैली को दर्शाता है जिसमें डिजिटल प्रोद्योगीकियां मानव जीवन के सभी पहलुओं का एक अभिन्न अंग हैं। इसमें डिजिटल चित्र, फोटो, संगीत, वीडियो गेम और इंटरैक्टिव सुविधाएँ और अन्य डिजिटल सामग्री शामिल हैं। इनफार्मेशन टेक्नोलॉजी इसका इस्तेमाल व्यापार, वाणिज्य, संचार जैसे कई क्षेत्रों में बहुतायत किया जाता है।

आईटी एक छोटा सा क्षेत्र नही है बल्कि इसमें अनेक तरह की चीजें आती है जैसे बिजनेस, एजुकेशन, सोसाइटी, एंटरटेनमेंट आदि। वीडियो/फोटो एडिटिंग के लिए तकनीकी कौशल और रचनात्मकता दोनों की आवश्यकता होती है। संपादकों को सॉफ्टवेयर और इसकी क्षमताओं की अच्छी समझ होनी चाहिए साथ ही विभिन्न संपादन सिद्धांतों और तकनीकों का ज्ञान भी होना चाहिए। इस कार्यशाला में हम सीखेंगे की किस प्रकार से अपने मोबाइल अथवा डिजीटल उपकरण से जुड़कर विभिन्न एडिटिंग एप से अपने विडियो और अपनी छाया चित्रों को और बेहतर कैसे प्रस्तुत कर सके। आज मोबाइल फोन और लैपटॉप सिर्फ व्हाट्सएप, फेसबुक तक सीमित न रहकर उसमें कुछ नये आयामों से जुड़ना और उनके विषय में जानकारी प्राप्त करना हमारी रचनात्मक शैली को प्रतिविम्बित करती है। पृथ्वीराज राणा द्वारा डिजिटल विषय जागरूकता पर यह कार्यशाला दी जाएगी।

राहुल को प्रादेशिक क्षत्रपों पर से निर्भरता कम करनी होगी

अजीत द्विवेदी

लोकसभा चुनाव, 2024 में कांग्रेस की बढ़ी ताकत का इस्तेमाल क्या राहुल गांधी पार्टी को मजबूत करने और स्वतंत्र व बेलगाम क्षत्रपों को काबू करने के लिए करेंगे? यह लाख टके का सवाल है। हकीकत यह है कि लोकसभा चुनाव, 2024 से पहले तक कांग्रेस के प्रादेशिक क्षत्रप लगभग मनमाना आचरण कर रहे थे। आलाकमान यानी सोनिया और राहुल गांधी के लिए उनको निर्देश देना असंभव सा काम था। क्षत्रप आलाकमान का नाम लेते थे और उनके प्रति सार्वजनिक रूप से सम्मान भी जाहिर करते थे लेकिन करते अपने मन की थे। अगर कभी कांग्रेस आलाकमान को उनके खिलाफ कोई कदम उठाना पड़ा तब या तो कामयाबी नहीं मिली या जिसके खिलाफ कदम उठाया उसने पार्टी छोड़ दी।

कांग्रेस आलाकमान के साथ वही रहा, जिसकी सत्ता को नेहरू गांधी परिवार ने चुनौती नहीं दी। कैप्टेन अमरिंदर सिंह को हटाया या गुलाम नबी आजाद को राज्यसभी नहीं मिली तो वे पार्टी छोड़ गए। असम में तरुण गोगोई को 15 साल तक, दिल्ली में शीला दीक्षित को 15 साल तक, हरियाणा में भूपेंद्र सिंह हुड्डा को 10 साल तक सीएम बनाए रखा गया तो ये सब लोग कांग्रेस के साथ रहे। लेकिन अंत नतीजा यह हुआ कि इन राज्यों में कांग्रेस सत्ता से बाहर हुई तो एक दशक के बाद भी इन राज्यों में कांग्रेस के लिए सत्ता में वापसी मुश्किल या नामुमिकन दिख रही है।

असल में सोनिया और राहुल के दौर में पिछले ढाई दशक में कांग्रेस का शक्ति संतुलन लगभग पूरी तरह से बदल गया था। राजीव गांधी के समय तक सत्ता का केंद्र दिल्ली होती थी। सोनिया गांधी के कांग्रेस की कमान संभालने के बाद इसकी संरचना में बदलाव आने लगा और एक दशक में यह दिल्ली से शिफ्ट होकर अलग अलग राज्यों में पहुंच गया। आलाकमान या नेहरू गांधी परिवार कांग्रेस की सत्ता का केंद्र तो बना रहा लेकिन उसकी ताकत आभासी रह गई। उसे राज्यों के क्षत्रपों से रोशनी और ताकत दोनों लेनी होती थी।

आंध्र प्रदेश में वाईएसआर रेड्डी, हरियाणा में भूपेंद्र सिंह हुड्डा, मध्य प्रदेश में कमलनाथ, असम में तरुण गोगोई, दिल्ली में शीला दीक्षित, पंजाब में कैप्टेन अमरिंदर सिंह, राजस्थान में अशोक गहलोत, छत्तीसगढ़ में भूपेश बघेल, हिमाचल प्रदेश में वीरभद्र सिंह से कांग्रेस आलाकमान को थोड़ी थोड़ी शक्ति मिलती थी। ये सब नेहरू गांधी परिवार के नाम की कसमें खाते थे लेकिन उनके कंट्रोल में नहीं थे। इनमें से किसी को हटाने की हैसियत कांग्रेस आलाकमान की नहीं थी। इन क्षत्रपों ने राज्य की राजनीति में अपना एकाधिकार बना लिया था, पार्टी के दूसरे नेताओं की अनदेखी करते थे और पार्टी कमजोर हो रही थी इसके बावजूद सोनिया और राहुल गांधी कार्रवाई करने की स्थिति में नहीं थे।

कह सकते हैं कि 2014 के बाद से सिर झुका कर किसी क्षत्रप ने कांग्रेस आलाकमान की बात नहीं मानी। जिसको आलाकमान ने आंख दिखाई उसने पार्टी छोड़ दी या पलट कर उससे ज्यादा लाल आंख दिखा दी। आलाकमान ने जिसको बनाए रखा वे मनमानी करते रहे और पार्टी डूबो दी। दिलचस्प बात यह है कि इनमें से ज्यादातर क्षत्रप 1998 के बाद से सोनिया गांधी द्वारा बनाए गए थे। अब स्थितियां बदली हैं।

लगातार दो बार बुरी तरह से हारने के बाद कांग्रेस को 99 सीट की संजीवनी मिली है। राहुल गांधी की छवि बेहतर हुई है और दो भारत जोड़ो यात्राओं की वजह से उनके नेतृत्व के प्रति कांग्रेस और दूसरी विपक्षी पार्टियों की आस्था बनी है। राहुल गांधी अपनी इस हैसियत का क्या इस्तेमाल करते हैं, इस पर कांग्रेस का भविष्य निर्भर करेगा। अगर वे अपनी निर्विवाद हैसियत का फायदा उठा कर क्षत्रपों को नियंत्रित करते हैं और संगठन को मजबूत बनाते हैं तो कांग्रेस के लिए आगे का रास्ता सुगम हो सकता है।

इसके लिए सबसे पहले राहुल गांधी को प्रादेशिक क्षत्रपों पर से निर्भरता कम करनी होगी। प्रदेश की राजनीति को सीधे संचालित करना होगा, जो कांग्रेस का पुराना मॉडल था। यह काम प्रभारी महासचिवों के जरिए होता था। जब दिल्ली में आलाकमान की ताकत कम हुई थी तो उसके द्वारा नियुक्त किए गए प्रभारियों की भी कोई हैसियत नहीं रह गई थी।

प्रभारी राज्यों में जाकर वहां के प्रादेशिक क्षत्रपों के हिसाब से काम करते थे। कई बार तो ऐसा होता था कि प्रादेशिक क्षत्रपों की मर्जी से या उनकी पसंद से प्रभारी नियुक्त होते थे। *(ये लेखक के अपने विचार हैं)*

वेट ट्रेनिंग एक्सरसाइज के दौरान उठाना चाहिए उचित वजन

वेट ट्रेनिंग एक्सरसाइज एक तरह की फुल बॉडी एक्सरसाइज है और इसे करने के लिए डंबल, बारबेल और वेट लिफ्टिंग मशीनों की आवश्यकता होती है। यह एक्सरसाइज पूरे शरीर की मांसपेशियों को मजबूती प्रदान करने के साथ-साथ कई अन्य स्वास्थ्य लाभ देने में सक्षम है। हालांकि ध्यान रखें कि इस एक्सरसाइज की शुरूआत हल्के वेट के साथ करें। आइए आज आपको इस एक्सरसाइज से जुड़ी कुछ महत्वपूर्ण बातें बताते हैं।

वेट लिफ्टिंग एक्सरसाइज करने का तरीका

सबसे पहले 8 से 10 अलग-अलग एक्सरसाइज को चुनें। इन एक्सरसाइज को चुनते समय ध्यान रखें कि सभी एक्सरसाइज अलग-अलग मांसपेशियों के लिए होनी चाहिए। आप चाहें तो चेस्ट प्रेस, ओवरहेड प्रेस, लेटरल रेसेस, हैमर कर्ल, कंसंट्रेशन कर्ल, सीटेड एक्सटेंशन, ट्राइसेप्स डिप्स, स्क्वैट्स, लंज, डेडलिफ्ट और बॉल क्रंचेस आदि एक्सरसाइज को अपने रूटीन में वेट लिफ्टिंग मशीनों के साथ शामिल कर सकते हैं। शुरूआत में अपनी क्षमतानुसार ही इनका अभ्यास करें।

नियम

वेट ट्रेनिंग एक्सरसाइज के नियम

वेट ट्रेनिंग एक्सरसाइज के दौरान उचित वजन उठाना चाहिए ताकि एक्सरसाइज के एक्सरसाइज करने में आपको नियमित रूप से अपनी तीव्रता बढ़ाने की आवश्यकता होती है। उदाहरण के लिए, वजन को धीरे-धीरे बढ़ाएं और अपनी एक्सरसाइज के सेट्स को भी। अपने लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए वेट ट्रेनिंग एक्सरसाइज करें। किसी भी एक्सरसाइज के बीच में और अंत में आराम करना बहुत ही महत्वपूर्ण होता है।

फायदे

वेट ट्रेनिंग एक्सरसाइज के फायदे

वेट ट्रेनिंग एक्सरसाइज मेटाबॉल्जिम को मजबूत करने में मदद कर सकती है। यह एक्सरसाइज पूरे शरीर की मांसपेशियों के लिए लाभदायक है। इस एक्सरसाइज से शरीर का स्टैमिना बढ़ाने में मदद मिलती है। यह एक्सरसाइज हड्डियों को मजबूती देने में सक्षम है। यह एक्सरसाइज मोटापे के संतुलन को बेहतर बनाने में भी यह एक्सरसाइज काफी मददगार है। यह एक्सरसाइज पैरों और कूल्हों की मजबूती के लिए भी काफी अच्छी होती है।

टिप्स

एक्सरसाइज से जुड़ी खास टिप्स

एक्सरसाइज के दौरान वेट उठाने से पहले हमेशा वार्मअप करें ताकि शरीर में लचीलापन कायम हो सके। शुरूआत में इस एक्सरसाइज को अधिक समय तक न करें, बल्कि धीरे-धीरे इसका समय बढ़ाएं। एक्सरसाइज करते समय सामान्य रूप से सांस लेते रहें और अपनी सांस को रोककर न रखें। अपनी क्षमता से अधिक वजन न उठाएं। अगर आप किसी बीमारी से जूझ रहे हैं तो इस एक्सरसाइज को करने से पहले डॉक्टर की सलाह लें।(आरएनएस)

वेब सीरीज मिक्सचर में नजर आएंगी अनुष्का रंजन

बॉलीवुड एक्ट्रेस अनुष्का रंजन अपने अपकमिंग प्रोजेक्ट को लेकर सुर्खियों में हैं, बताया जा रहा है कि वह हनीश कालिया के निर्देशन में बनी एक्शन थ्रिलर सीरीज मिक्सचर में अहाना कुमरा के साथ नजर आएंगी।

अहाना कुमरा द एक्सीडेंटल प्राइम मिनिस्टर, सलाम वेंकी, लिपस्टिक अंडर माई बुर्का और खुदा हाफिज जैसे बड़े प्रोजेक्ट्स में नजर आ चुकी हैं।

मिक्सचर एक मनोरंजक सीरीज है, जिसमें अपराध और रहस्य की दुनिया है।

सीरीज का हिस्सा बनने पर अनुष्का रंजन ने कहा, मैं मिक्सचर के कलाकारों के साथ काम करके और इस एक्शन थ्रिलर में शामिल होकर बेहद एक्साइटेड हूं। इस प्रोजेक्ट ने अपनी कहानी और किरदारों के जरिए मुझे नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया है। अनुष्का ने कहा-कहानी में आए उतार-चढ़ाव ने मुझे लगातार बांधे रखा। गोवा और मुंबई के शूटिंग एक्सपीरियंस ने रोमांच को बढ़ा दिया। मैं दर्शकों के साथ इस सफर को साझा करने के लिए बेताब हूं और ऐसी प्रतिभाशाली टीम के साथ काम करने के अवसर के लिए आभारी हूं।

पिनाका एंटरटेनमेंट द्वारा निर्मित मिक्सचर इस साल के आखिर में रिलीज होगी। इसकी शूटिंग गोवा के खूबसूरत लोकेशन्स और मुंबई की व्यस्त सडक़ों पर हुई है, जो दर्शकों के लिए रोमांचक एक्सपीरियंस होगा।

एक्ट्रेस के बारे में बात करें तो, अनुष्का रंजन का जन्म मुंबई में 1 अक्टूबर 1990 को हुआ। उनके पिता एक्टर व डायरेक्टर शशि रंजन हैं। उन्होंने व्हिसलिंग वुड्स से 2 साल का एक्टिंग डिप्लोमा किया और फिर कई सालों तक नादिरा बब्बर के थिएटर ग्रुप में भी काम किया।

अनुष्का ने गुरुजी वीरू कृष्णा से कथक की ट्रेनिंग ली, वह एक ट्रेंड कथक डांसर हैं। उन्होंने 2015 में फिल्म वेडिंग पुलाव से डेब्यू किया। इसके बाद वह बत्ती गुल मीटर चालू में नजर आईं। इसके अलावा, उन्होंने वेब सीरीज फितरत में काम किया।

अगर त्वचा है रूखी तो भूल से भी न करें ये गलतियां

अगर आपकी त्वचा रूखी है और कई ब्यूटी प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करने के बावजूद भी आपको कुछ फर्क महसूस नहीं होता है तो इसके लिए ब्यूटी प्रोडक्ट्स नहीं बल्कि आप जिम्मेदार हैं। दरअसल, ऐसा आपसे अनजाने में हुई कुछ गलतियों के कारण होता है। इनमें त्वचा पर साबुन या गर्म पानी का बहुत ज्यादा इस्तेमाल समेत कई गलतियां शामिल हैं। आइए आपको ऐसी ही कुछ गलतियों के बारे में बताते हैं।

बहुत से लोग अपनी त्वचा को साफ करने के लिए मार्केट से कोई भी साबुन खरीद लाते हैं, लेकिन ऐसा करना मतलब अपनी त्वचा को नुकसान पहुंचाना है। दरअसल, साबुन त्वचा को और भी ज्यादा रूखा कर देता है क्योंकि इसमें कई ऐसे तत्व पाए जाते हैं जो त्वचा के लिए काफी कठोर साबित हो सकते हैं। इसलिए बेहतर होगा कि आप अपनी रूखी त्वचा के लिए मॉइश्चराइज या ग्लिसरीन वाले साबुन को

चुनें।

इस बात में कोई दो राय नहीं है कि त्वचा की गंदगी को साफ करने के लिए स्क्रब बेहद कारगर सिद्ध हो सकता है। लेकिन अगर आप अपनी त्वचा पर जरूरत से ज्यादा स्क्रब का इस्तेमाल करते हैं तो इससे त्वचा के नैचुरल ऑयल को नुकसान पहुंच सकता है। इस समस्या से बचने के लिए आप चाहें तो कॉफी या चीनी से बनने वाले घरेलू स्क्रब का इस्तेमाल कर सकते हैं। बहुत से लोगों को यह लगता है कि तेज गर्म पानी से त्वचा की अच्छी तरह से सफाई हो जाती है, लेकिन क्या आप जानते हैं कि इससे त्वचा का नैचुरल ऑयल कम होता है और आपकी त्वचा बहुत रूखी और डल हो जाती है। इसलिए अपनी त्वचा को साफ करने या नहाने के लिए कभी भी तेज गर्म पानी का इस्तेमाल न करें।

वाटर फास्टिंग का बढ़ रहा है क्रेज, क्या आप जानते हैं ये कितना है सेफ?

वाटर फास्टिंग के दौरान लोग पानी के अलावा कुछ नहीं खाते हैं। कई लोग तेजी से वजन घटाने के लिए बहुत अच्छा मानते हैं तो वहीं कुछ लोगों का मानना है कि यह सभी लोगों के लिए इस तरह की फास्टिंग सही नहीं है। क्योंकि शरीर पर इसका बुरा असर होता है।

वाटर फास्टिंग शरीर के लिए ठीक है या नहीं?

आजकल ओवरवेट और माटापे से करोड़ों लोग परेशान है।लोग आज के समय में वजन कम करने के लिए तरह-तरह का उपाय निकाल रहे हैं। आजकल पूरी दुनिया में वजन कम करने के लिए एक खास तरह की फास्टिंग ट्रेंड का हिस्सा बनती जा रही है। वह है वाटर फास्टिंग।वाटर फास्टिंग में लोग 24-72 घंटे तक बिना कुछ खाए सिर्फ पानी पीकर रहते हैं। कई लोग इस फास्टिंग को 7 दिनों तक करते हैं ताकि से तेजी से वजन कम हो सके। अब सवाल यह उठता है कि यह शरीर के लिए कितना फायदेमंद होता है या नहीं?

सभी के लिए वाटर फास्टिंग ठीक नहीं है

हेल्थ एक्सपर्ट के मुताबिक वाटर फास्टिंग शरीर के लिए अच्छा तो होता है क्योंकि इससे शरीर की जितनी भी टॉक्सिन होती है वह बाहर निकल जाती है। लेकिन लोगों को सिर्फ पानी ही नहीं बल्कि नींबू पानी, नारियल पानी और शिकंजी भी पीना चाहिए। यह सभी ड्रिंक्स शरीर में टॉक्सिक एलीमेंट को बाहर निकालकर शरीर को हाइड्रेटेड रखने का काम करते हैं। इस तरह की फास्टिंग करने से कैलोरी और कार्ब्स इनटेक अचानक से कम हो जाता है। जिससे शरीर को काफी ज्यादा फायदा मिलता है। हालांकि वाटर फास्टिंग कुछ लोगों के लिए ठीक है यह हर किसी के लिए फायदेमंद नहीं हो सकता है। कुछ लोगों के लिए यह बेहद खतरनाक साबित हो सकता है।

24-48 घंटे तक वाटर फास्टिंग शरीर के लिए ठीक है लेकिन इससे ज्यादा देर करने से शरीर में एंजाइम का बैलेंस बिगडने़ लगता है। जिसके कारण लॉन्ग टर्म दिक्कत हो सकती है। सबसे दिलचस्प बात यह है कि वाटर फास्टिंग शरीर को डिटॉक्स करने के लिए बहुत अच्छा होता है। लेकिन इससे वजन को तुरंत कंट्रोल नहीं किया जा सकता है। जिन लोगों को लगता है कि वह 2-3 दिन में पानी पीकर वजन को कंट्रोल में कर लेंगे तो ऐसा बिल्कुल नहीं है। वाटर फास्टिंग के बाद हेल्दी डाइट और एक्सरसाइज बेहद जरूरी है इससे वजन कंट्रोल में रहता है।

किन लोगों को नहीं करना चाहिए वाटर फास्टिंग

डायबिटीज, लो ब्लड प्रेशर, प्रेग्नेंट महिला, ब्रेस्टफीड कराने वाली महिलाओं को वाटर फास्टिंग बिल्कुल भी नहीं करना चाहिए। अगर आप इस तरह की फास्टिंग करने का सोच भी रहे हैं तो डॉक्टर की सलाह जरूर लें। क्योंकि इससे तबीयत बिगड़ सकती है। इसके अलावा इंस्टेंट वेट लॉस के लिए वाटर फास्टिंग सही नहीं है कि जल्दबाजी के चक्कर में आपकी तबीयत खराब हो सकती है। ऐसा बिल्कुल भी नहीं है कि अचानक से वजन कम होने लगता है।(आरएनएस)

बच्चों की सेहत को बहुत नुकसान पहुंचा सकते हैं ये पेय पदार्थ, न करवाएं सेवन

बच्चों का शारीरिक और मानसिक विकास बेहतर तरीके से करने में खान-पान एक अहम भूमिका अदा करता है। इसलिए बच्चे को कुछ ऐसा खिलाने या पिलाने से बचें, जिससे उनका स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है। बता दें कि आजकल मार्केट में ऐसे कई पेय पदार्थ मौजूद है, जिनका सेवन बच्चों की सेहत को नुकसान पहुंचा सकता है। आइए ऐसे ही कुछ पेय पदार्थों के बारे में जानते हैं, जिनका सेवन बच्चों को न करवाना ही बेहतर है।

कार्बोनेटेड पेय पदार्थ

कोका-कोला, डाइट कोला, फ्लेवर्ड सोडा और इसी तरह की कार्बोनेटेड पेय पदार्थ का सेवन बच्चों की सेहत को प्रभावित कर सकता है। इससे बच्चे डिहाइड्रेशन और पेट से जुड़ी समस्याओं का शिकार हो सकते हैं। इसके अलावा, ये बच्चों के मानसिक विकास पर भी विपरीत असर डाल सकते हैं। दरअसल, इन पेय पदार्थों में शक्कर की मात्रा भी बहुत ज्यादा होती है, जिसके कारण बच्चों को मोटापे और मधुमेह जैसी बीमारियों का सामना करना पड़ सकता है।

कैफीन युक्त पेय पदार्थ

बच्चों को चाय और कॉफी जैसे कैफीन युक्त पेय पदार्थ भी पीने के लिए नहीं देने चाहिए। दरअसल, इनमें टैनिन की मात्रा अधिक होती है, जिसका बच्चों की हार्ट रेट पर विपरीत असर पड़ता है। वहीं, इसके कारण बच्चों को रोजाना किसी न किसी पेट से जुड़ी समस्या या फिर अनिद्रा का सामना करना पड़ सकता है।

पैकेज्ड फलों का रस

यह बात तो सभी जानते हैं कि फलों के रस का सेवन सेहत के लिए अच्छा होता है, लेकिन अगर आप अपने बच्चे को बाजार से लाए पैकेज्ड जूस का सेवन करते हैं तो आज से ऐसा करना छोड़ दें। दरअसल, इन जूस में शक्कर की मात्रा बहुत ज्यादा होती है, जिसका बच्चों की सेहत पर उल्टा असर पड़ता है। इसलिए अगर आपको अपने बच्चे को जूस पिलाना ही है तो घर में ही जूस बनाकर उसे पिलाएं।

पैकेज्ड स्मूदी या फिर शेक

पैकेज्ड फलों के रस की तरह ही पैकेज्ड स्मूदी और शेक का सेवन बच्चे की सेहत को नुकसान पहुंचा सकता है। दरअसल, अक्सर यह देखने में आया है कि स्मूदी और शेक बनाने के दौरान लोग स्वाद बढ़ाने के चक्कर में इसमें आर्टिफिशियल फ्रूट जूस का इस्तेमाल देते हैं।

टमाटर के आगे फेल हो जाएंगे सारे महंगे फेस प्रोडक्ट, ऐसे करें इस्तेमाल

चेहरे को खूबसूरत बनाने के लिए लोग कई महंगे प्रोडक्ट का इस्तेमाल करते हैं, लेकिन लाख कोशिश करने के बाद भी कुछ लोगों को चेहरे पर कोई असर नहीं दिखाई देता है। अगर आप भी अपने चेहरे को लेकर काफी परेशान रहते हैं, तो यह खबर आपके लिए है। आज हम आपको ऐसी सब्जी के बारे में बताएंगे, जिसका चेहरे पर इस्तेमाल कर आप अपने चेहरे को ग्लोइंग, बेदाग और खूबसूरत बना सकते हैं। आइए जानते हैं उस सब्जी के बारे में।

त्वचा के लिए टमाटर

टमाटर खाने में स्वादिष्ट होने के साथ-साथ सेहत के लिए भी फायदेमंद माना जाता है। यही नहीं टमाटर का इस्तेमाल अगर त्वचा के लिए किया जाए, तो यह किसी नेचुरल खजाने से काम नहीं है। टमाटर में विटामिन सी, लाइकोपीन और एंटीऑक्सीडेंट जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं, जो त्वचा को एक नहीं अनेक फायदे पहुंचाते हैं। आइए जानते हैं इसका इस्तेमाल करने का सही तरीका।

टमाटर और शहद का फेस पैक

टमाटर का इस्तेमाल चेहरे पर करने के लिए आप टमाटर को कद्दूकस कर उसमें शहद मिलाकर अपने चेहरे पर लगा सकते हैं। इससे पिंपल्स जैसी परेशानियां दूर होगी, क्योंकि शहद में कई गुण मौजूद होते हैं, जो कील, मुंहासे को दूर करने में मदद करते हैं।

टमाटर और दही का फेस पैक

आप टमाटर और दही का फेस पैक भी बना सकते हैं। इसे बनाने के लिए एक कटोरी में टमाटर का रस निकले, फिर एक बड़ा चम्मच उसमें दही मिला दे। इस मिश्रण को अपने चेहरे पर 15 से 20 मिनट के लिए लगाएं, फिर ठंडे पानी से चेहरा धो लें। इससे ओपन पोर्स की समस्या खत्म होगी।

टमाटर और बेसन का स्क्रब

आप टमाटर और बेसन का स्क्रब भी तैयार कर सकते हैं। इसे बनाने के लिए एक बड़ा चम्मच टमाटर का रस उसमें एक छोटा चम्मच बेसन दोनों को अच्छी तरह मिलाकर हल्के हाथों से 5 से 10 मिनट तक अपने चेहरे पर मसाज करें, फिर ठंडे पानी से चेहरा धो लें। इससे डेड स्किन सेल्स हटाने में मदद मिलती है।

टमाटर का रस

अब टमाटर के रस का टोनर के रूप में इस्तेमाल कर सकते हैं। आपको टमाटर के रस को एक स्प्रे बोतल में भरना होगा, फिर इसे अपने चेहरे पर स्प्रे कर 15 से 20 मिनट के लिए छोड़ दे। इसके बाद आप ठंडे पानी से अपना चेहरा धो लें। इससे चेहरा ग्लो करने लगेगा।

पैच टेस्ट जरूर करें

ध्यान रहे इसका इस्तेमाल करने से पहले पैच टेस्ट जरूर करें। क्योंकि कुछ लोगों को इससे एलर्जी हो सकती है। अगर ऐसा होता है, तो डॉक्टर की सलाह जरूर लें। इसके अलावा टमाटर का रस चेहरे पर लगाते समय आंखों से बचाते हुए इसका इस्तेमाल करें, नहीं तो आंख संबंधित समस्याएं हो सकती है।(आरएनएस)

सारिपोधा सानिवारम के फर्स्ट लुक में पुलिस किरदार में दिखीं प्रियंका मोहन

नानी अभिनीत अपकमिंग फिल्म सारिपोधा सानिवारम से एक्ट्रेस प्रियंका मोहन का फर्स्ट लुक सामने आया है। तस्वीर में वह एक पुलिस अधिकारी के रूप में एक बैग पकड़े आसमान की ओर देखती दिखाई दे रही हैं।

फिल्म में एक्ट्रेस चारू की भूमिका निभा रही हैं। निर्माताओं ने सोशल मीडिया पर एक्ट्रेस का पहला लुक शेयर किया है।

उन्होंने कैप्शन में लिखा, सूर्या सैटरडे से चारुलता के रूप में प्रियंका मोहन ऑफिशियल का परिचय, वह सीधे आपके दिलों तक रिपोर्ट करने के मिशन पर हैं।

हाल ही में फिल्म का पहला सिंगल गरम गरम भी रिलीज किया गया, जिसे काफी सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली थी।

निर्माताओं ने फिल्म से नानी का लेटेस्ट लुक भी जारी किया था, जिसमें उनके किरदार का एक अलग पक्ष दिखाया गया था। नए पोस्टर में नानी को ज्यादा शांत और संयमित दिखाया गया है, जो उनके किरदार के शांत पक्ष को दिखाता है।

डीवीवी एंटरटेनमेंट द्वारा निर्मित, सारिपोधा सानिवारम विवेक अथरेया द्वारा लिखित और निर्देशित है। फिल्म में एसजे सूर्या और साई कुमार पी भी हैं। यह फिल्म 29 अगस्त, 2024 को हिंदी, तेलुगु, तमिल, कन्नड़ और मलयालम सहित कई भाषाओं में सिनेमाघरों में आने वाली है।

शब्द सामर्थ्य -146

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. रूचिकर लगने वाली, रूचि के अनुकुल, चुनी हुई 3. राजाओं के बैठने का आसन 6. श्रमिक 7. कार्य, काज 9. वाद्ययंत्र आदि बजाने वाला 10. सहारा, सहायक वस्तु 11. शर्म, लाज, हया 12. मक्खन, माखन 14. श्रीमती राबड़ी देवी इस प्रदेश की मुख्यमंत्री हैं 15. चंद्रमा, रजनीश, चांद 18. पुस्तक 20. अवधि, समय 21. तर्क वितर्क और कहा-सुनी, जबानी झगड़ा 22. सूरत, आकार 23. झुका हुआ, नत।

ऊपर से नीचे

1. पंद्रह दिन का समय, शुक्ल या कृष्ण पक्ष 2. आग बुझाने की मशीन 3. हिंदु विवाहित स्त्री के मांग में भरने का लाल चूर्ण 4. पराजय, माला 5. मुंह ढकने का कपड़ा, घुंघट 8. चंदन, दक्षिण का एक पर्वत 10. व्यवस्थित करना, सजाना, स्वभाव आदि का परिष्कार, शुद्ध संबंधी कृत्य 12. विशालता, बड़प्पन, महान होने का भाव 13. अड़चन, रुकावट 15. जमीन के अंदर गहरा और लंबा रास्ता, अच्छे रंग का 16. बेवकूफ, मूर्ख, अहमक 17. औसत के हिसाब से 18. कृषक 19. अधिक, ज्यादा।

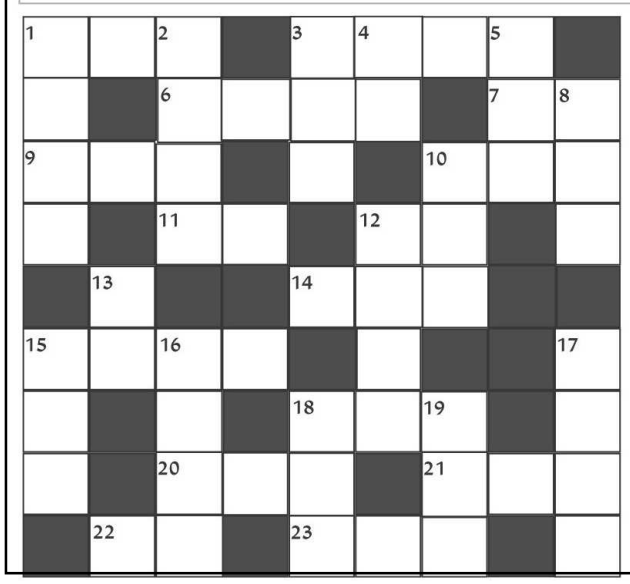

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 145 का हल

ज	ल	■	आ	वा	जा	ही	■	■
मा	■	खू	ब	■	दू	र	स्थ	■
ना	दा	न	■	सा	ग	■	ल	क्ष्य
■	न	ख	■	त	र	ल	■	■
■	वी	रा	न	■	■	च	ट	क
■	र	ब	■	आ	ज	क	ल	■
■	■	■	आ	ग	■	दा	ना	■
■	अ	ग	र	म	ग	र	■	क्रो
भा	भी	■	ती	न	■	■	व	ध

अजय-तबू की औरों में कहां दम था 2 अगस्त को सिनेमाघरों में देगी दस्तक

अजय देवगन और तबू स्टारर मच अवेटेड फिल्म औरों में कहां दम था को लेकर फैंस में काफी एक्साइटमेंट है। इस फिल्म के ट्रेलर के बाद से तो इसका काफी बज बना हुआ है। ये फिल्म पहले 5 जुलाई 2024 को रिलीज होने वाली थी। हालांकि फिल्म की रिलीज डेट टाल दी गई थी। फाइनली फिल्म की लीड स्टार्स ने औरों में कहां दम था की नई रिलीज डेट का ऐलान कर दिया है। चलिए जानते हैं अजय और तबू की ये रोमांटिक ड्रामा बड़े पर्दे पर कब दस्तक देगी?

औरों में कहां दम था का निर्माण करने वाली कंपनी फ्राइडे फिल्मवर्क्स ने 3 जुलाई को इंस्टाग्राम पर एक नोट शेयर कर अनाउंस किया था कि फिल्म की रिलीज की तारीख को आगे बढ़ा दिया गया है। नोट पर ये भी लिखा गया था कि नई रिलीज़ डेट जल्द ही घोषित की जाएगी। तब से फैंस मेकर्स द्वारा रिलीज की तारीख की घोषणा का इंतजार कर रहे थे और आज फाइनली फिल्म की नई रिलीज डेट अनाउंस कर दी गई है।

अजय और तबू ने इंस्टाग्राम पर फिल्म का पोस्टर शेयर करते हुए इसकी नई रिलीज डेट अनाउंस की है। इसके मुताबिक ये फिल्म 2 अगस्त, 2024 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। पोस्ट के कैप्शन में लिखा गया है, इंतजार 2 अगस्त को खत्म होगा! (रेड हार्ट इमोजी)।

इसका मतलब है कि फैंस को सिनेमाघरों में रोमांटिक थ्रिलर देखने के लिए लगभग एक महीने और इंतजार करना होगा। नीरज पांडे द्वारा निर्देशित, औरों में कहां दम था में जिमी शेरगिल, शांतनु माहेश्वरी और सई मांजरेकर के साथ अजय देवगन और तबू मुख्य भूमिका में हैं। रोमांटिक थ्रिलर कृष्णा (अजय) और वसुधा (तब्बू) के किरदारों के इर्द-गिर्द घूमती है, जो 22 साल तक अलग रहने के बाद फिर से एक-दूसरे से मिलते हैं।

बता दें कि अजय देवगन की फिल्म औरों में कहां दम था की नई रिलीज डेट 2 अगस्त अनाउंस की गई है। ऐसे में ये फिल्म विक्रांत मैसी की द साबरमती रिपोर्ट से क्लैश करेगी। देखने वाली बात होगी कि दोनों फिल्में बॉक्स ऑफिस पर कैसा परफॉर्म करती है और कौन किस पर भारी पड़ती है।

अवार्ड शो में शारिब से एक पल की मुलाकात और हो गई दोस्ती- अमृता खानविलकर

एक्ट्रेस अमृता खानविलकर अपकमिंग सस्पेंस और मिस्ट्री थ्रिलर 36 डेज को लेकर काफी उत्साहित हैं। इस सीरीज में उनके को स्टार शारिब हाशमी हैं। अमृता, शारिब की दोस्ती को अहम मानती हैं और उस पल को अनमोल मानती हैं जब दोनों मिले थे।

दिलचस्प बात यह है कि दोनों का कनेक्शन 2021 से है तब जब अमृता ने शारिब को उनका पहला ओटीटी अवार्ड थमाया था। यह दोनों 36 डेज में रील-लाइफ जोड़ी के तौर पर दिखें।

सीरीज के रिलीज होने से पहले अमृता ने शारिब संग दोस्ती का किस्सा शेयर किया। उन्होंने 2021 के एक अवार्ड फंक्शन का जिक्र किया।

अमृता खानविलकर ने कहा, हम पहली बार एक ओटीटी अवार्ड फंक्शन में मिले थे और एक ही पल में दोस्ती की चिंगारी भडक़ उठी थी। मैंने शारिब को उनका पहला ओटीटी अवार्ड सौंपा था और वो मेरे लिए एक गर्व का पल था क्योंकि मैं जानती थी कि वो एक समर्पित और टैलेंटेड अभिनेता हैं।

अमृता ने कहा, अपने काम के लिए शारिब का समर्पण सच में प्रेरणादायक है। वेब सीरीज 36 डेज में उनके साथ काम करना बेहतरीन एक्सपीरियंस रहा है। हमारे किरदार- ललिता और विनोद एक मजबूत और गहरा रिश्ता शेयर करते हैं और ऐसे संबंधों को प्ले करना सच में चैलेंजिंग (चुनौतीपूर्ण) और फुलफिलिंग था।

उन्होंने आगे कहा, ऐसा अक्सर नहीं होता है कि आपको ऐसा को-स्टार मिले जो आपकी परफॉर्मेंस के स्तर को बढ़ाए, लेकिन शारिब के साथ बिल्कुल वैसे को स्टार हैं। फिलहाल मैं दर्शकों के रिएक्शन को लेकर उत्साहित हूं। देखना चाहती हूं कि वो सीरीज में हमारे बीच की केमिस्ट्री और इमोशन्स की गहराई को देख कैसे रिएक्ट करते हैं।

सीरीज 36 डेज में शारिब ने विनोद शिंदे का किरदार निभाया है। वह गोवा के होटल एमराल्ड ओशन्स स्टार सुइट में जनरल मैनेजर हैं। तो अमृता ने ललिता का किरदार निभाया है, जिसका अतीत उथल-पुथल भरा है।

सीरीज 36 डेज में नेहा शर्मा, पूरब कोहली, सुशांत दिवगीकर, श्रुति सेठ और चंदन रॉय सान्याल भी हैं। 36 डेज का प्रीमियर 12 जुलाई को सोनी लिव पर हुआ।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

बॉडीकॉन ड्रेस पहने दिखीं श्रद्धा दास

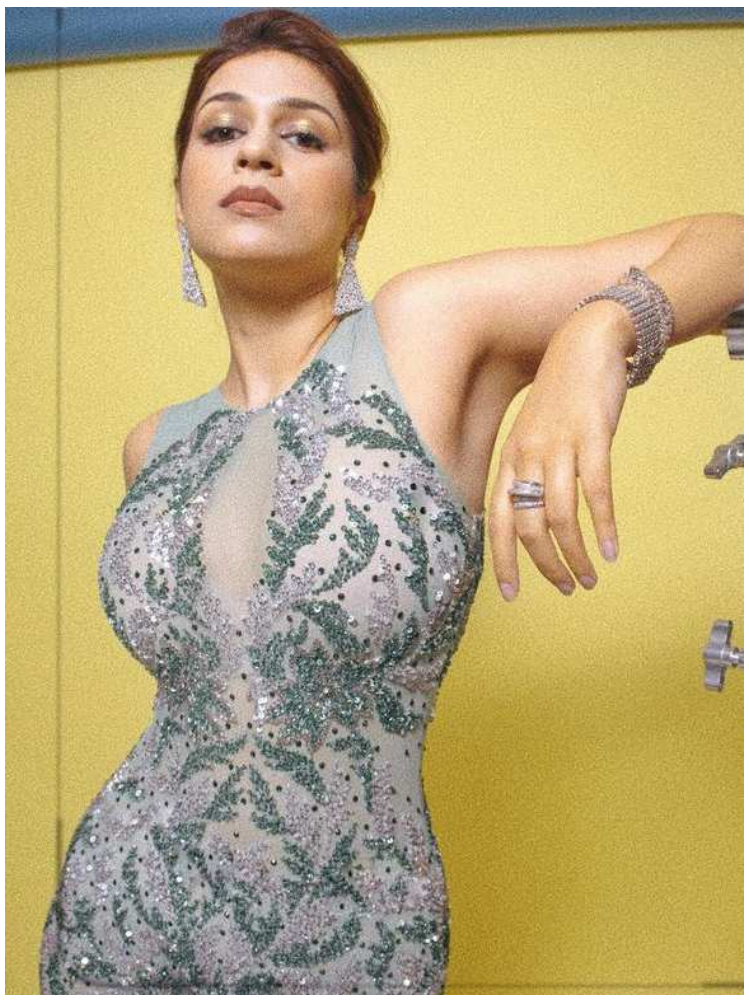

साउथ इंडस्ट्री की एक्ट्रेस श्रद्धा दास हमेशा अपनी हॉट फोटोज को लेकर सोशल मीडिया पर चर्चाओं में रहती हैं। वो आए दिन अपने फैंस के लिए इंस्टाग्राम पर अपनी फोटो और वीडियो शेयर करती रहती हैं। हाल ही में एक्ट्रेस की लेटेस्ट फोटोशूट के दौरान की कुछ ग्लैमरस तस्वीरें इंटरनेट पर वायरल हो रही हैं। इन तस्वीरों में उनका गॉर्जियस लुक देखकर फैंस अपने होश खो बैठे हैं।

एक्ट्रेस श्रद्धा दास आए दिन अपनी लेटेस्ट हॉट पोस्ट शेयर कर अक्सर सभी फैंस का ध्यान अपनी ओर खींच लेती हैं।

उनका गॉर्जियस अंदाज इंटरनेट पर आते ही तेजी से वायरल होने लगता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर साझा की हैं।

इन तस्वीरों में उनका स्टाइलिश लुक देखकर फैंस एक बार फिर से उनके हुस्न के कायल हो गए हैं।

इन तस्वीरों में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस ने फोटोशूट के दौरान बॉडीकोन गाउन पहना हुआ है, जिसमें वो एक से बढक़र एक सिजलिंग अंदाज में पोज देती हुई नजर आ रही हैं।

कानों में इयररिंग्स, बालों को स्टाइलिश लुक में बांधकर और साथ ही लाइट मेकअप और न्यूड लिप शेड लगाकर एक्ट्रेस श्रद्धा दास ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है।

श्रद्धा दास जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर शेयर करती हैं तो फैंस उनकी तस्वीरों पर जमकर लाइक्स और कॉमेंट्स कर के अपनी प्रतिक्रियाएं देते हैं।

हालांकि इन तस्वीरों में भी आप देख सकते हैं एक यूजर ने कॉमेंट करते हुए लिखा - सो गॉर्जियस और दूसरे ने कॉमेंट करते हुए लिखा- टू मच हॉट। ऐसे ही एक के बाद एक कर के लोग अपनी प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं।

रिवीलिंग लहंगा पहन तारा सुतारिया ने बिखेरा हुस्न का जलवा

बॉलीवुड एक्ट्रेस तारा सुतारिया अपने फैशन सेंस से अक्सर लोगों के बीच लाइमलाइट लूट लेती हैं। उनका स्टनिंग अवतार इंटरनेट पर आते ही बवाल मचाने लगता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस की बेहद खूबसूरत तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं। इन तस्वीरों में उनकी शोख अदाएं देखकर फैंस एक बार फिर मंत्रमुग्ध हो गए हैं।

एक्ट्रेस तारा सुतारिया आए दिन अपनी बोल्ड और ग्लैमरस तस्वीरें फैंस के बीच साझा कर अक्सर लोगों को अपना दीवाना बना देती हैं।

उनकी फोटोज इंस्टाग्राम पर जब भी पोस्ट होती है तो फैंस उनकी तस्वीरों पर लाइक्स और कॉमेंट्स करते हुए नहीं थकते हैं।

अब हाल ही में तारा सुतारिया की एथनिक लुक्स की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर तेजी से वायरल हो रही हैं। इन तस्वीरों में उनका स्टनिंग अवतार देखकर फैंस अपने होश खो बैठे हैं।

इन तस्वीरों में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस ने सिल्वर कलर का लहंगा और साथ ही रिवीलिंग ब्लाउज पहनी हुई है, जिसमें वो काफी ज्यादा हॉट एंड ग्लैमरस लग रही हैं।

बता दें एक्ट्रेस जब भी अपनी फोटोज फैंस के बीच साझा करती हैं तो उनका हर एक लुक काफी ट्रेंड करता है।

हालांकि इन तस्वीरों में भी आप देख सकते हैं तारा सुतारिया का ये जबरदस्त अंदाज देखकर फैंस एक बार फिर से उनके हुस्न के कायल हो गए हैं और उनकी फोटोज पर से लोगों की निगाहें हटने का नाम नहीं ले रही हैं।

इंडियन हो या फिर वेस्टर्न एक्ट्रेस तारा सुतारिया का हर एक लुक इंटरनेट पर शेयर होते ही फैंस के बीच छा जाता है।

सोशल मीडिया पर बाबाओं का विवाद

विनीत नारायण

जब से सोशल मीडिया का प्रभाव तेजी से व्यापक हुआ है, तब से समाज का हर वर्ग यहां तक कि गृहणियां भी 24 घंटे सोशल मीडिया पर हर समय छाए रहते हैं। इसके दुष्परिणामों पर काफी ज्ञान उपलब्ध है। सलाह दी जाती है कि यदि आपको अपने परिवार या मित्रों से संबंध बनाए रखना है, अपना बौद्धिक विकास करना है और स्वस्थ और शांत जीवन जीना है तो आप सोशल मीडिया से दूर रहें या इसका प्रयोग सीमित मात्रा में करें। पर विडंबना देखिए कि समाज को संयत और सुखी जीवन जीने का और माया मोह से दूर रहने का दिन-रात उपदेश देने वाले संत और भागवताचार्य आजकल स्वयं ही सोशल मीडिया के जंजाल में कूद पड़े हैं। विशेषकर ब्रज में ये प्रवृत्ति तेजी से फैलती जा रही है।

पिछले दिनों वृंदावन के विरक्त संत प्रेमानंद महाराज और प्रदीप मिश्रा के बीच सोशल मीडिया पर श्री राधा तत्व को लेकर भयंकर विवाद चला। ऐसे ही पिछले दिनों वृंदावन में नवस्थापित भगवताचार्य अनिरुद्धाचार्य के वक्तव्य भी विवादों में रहे। इसी बीच बरसाना के विरक्त संत श्री रमेश बाबा द्वारा लीला के मंचन में राधा स्वरूप धारण कर बालाकृष्ण से पैर दबवाने पर विवाद हुआ। ये सब ब्रज की विभूतियां हैं। हर एक के चाहने वाले भक्त लाखों-करोड़ों की संख्या में हैं। जैसे ही कोई विवाद पैदा होता है, इनका चेला समुदाय भी सोशल मीडिया पर खूब सक्रिय हो जाता है। ठीक वैसे ही राजनैतिक दलों की ट्रोल आर्मी, जो बात का बतंगड़ बनाने में मशहूर है, सक्रिय हो जाती है। यह सब सोशल मीडिया में अपनी पहचान बनाने का एक तरीका बन गया है।

अब प्रेमानंद जी वाले विवाद को ही लीजिए, कितने ही कम मशहूर भागवताचार्य भी इस विवाद में कूद पड़े जिनके फॉलोवर्स चार-पांच सौ ही थे पर जैसे ही वे इस विवाद में कूदे तो उनकी संख्या 20 हजार पार कर गई यानी बयानबाजी भी फायदे का सौदा है।

परंपरा से शास्त्र ज्ञान का आदान-प्रदान गुरुओं द्वारा निर्जन स्थलों पर किया जाता था जहां जिज्ञासु अपने प्रश्न लेकर जाता था और गुरु की सेवा कर ज्ञान प्राप्त करता था। यही पद्धति भगवान श्री कृष्ण ने कुरुक्षेत्र के मैदान में अर्जुन को बताई थी। भगवद् गीता के चौथे अध्याय का चौंतीसवां श्लोक इसी बात को स्पष्ट करता है। 'तद्विद्धि प्रणिपातेन परिप्रश्नेन सेवया। उपदेक्ष्यन्ति ते ज्ञानज्ञानिनस्तत्त्वदर्शिन:।4.34।।' परंतु सोशल मीडिया ने आकर ऐसी सारी सीमाओं को तोड़ दिया है। अब धर्मगुरु चाहें न चाहें पर उनके शिष्य, उनके प्रवचनों का सोशल मीडिया पर प्रसारण करने को बेताब रहते हैं और फिर अलग-अलग गुरु ओं के शिष्य समूहों में आपसी प्रतिद्वंद्विता चलती है कि किस गुरु के कितने चेले या श्रोता हैं। जिस संत के फॉलोवर्स की संख्या लाखों में होती है उन पर टिप्पणी करना या उन्हें विवाद में घसीटना लाभ का सौदा माना जाता है क्योंकि वैसे तो ऐसा विवाद खड़ा करने वालों की कोई फॉलोइंग होती नहीं है। पर इस तरह उन्हें बहुत बड़ी तादाद में फॉलोवर और लोकप्रियता मिल जाती है।

मतलब यह कि आप में योग्यता है कि नहीं, पात्रता है कि नहीं, आपको उस विषय का ज्ञान है कि नहीं, इसका कोई संकोच नहीं किया जाता। केवल सस्ती लोकप्रियता पाने के लालच में बड़े बड़े संतों के साथ नाहक विवाद खड़ा किया जाता है। आजकल ऐसे विवादों की भरमार हो गई है। वैसे तो तकनीकी के हमले को कोई चाह कर भी नहीं रोक सकता। पर कभी-कभी इंसान को लगता है कि उसने भयंकर भूल कर दी। 2003 की बात है जब मैंने बरसाना (मथुरा) के विरक्त संत श्री रमेश बाबा के प्रवचन नियमित रूप से हर सप्ताह बरसाना जा कर सुनना शुरू किया, बाबा की भक्ति और सरलता ने मुझे बहुत प्रभावित किया और मुझे लगा कि बाबा के प्रवचन पूरी दुनिया के कृष्ण भक्तों तक पहुंचने चाहिए। तब ऐसा होना टीवी चैनल के माध्यम से ही संभव था क्योंकि तब तक सोशल मीडिया इतना लोकप्रिय नहीं हुआ था। मैंने इसके लिए प्रयास करके श्री मान मंदिर में टीवी रिकॉर्डिंग स्टूडियो की स्थापना कर दी। उस दौर में मान मंदिर के विरक्त साधुओं ने मेरा कड़ा विरोध किया। उनका कहना था कि बाबा की बात अगर इस तरह प्रसारित की जाएगी तो बरसाना में कलियुग का प्रवेश कोई रोक नहीं पाएगा पर बाबा ने मुझे अनुमति दी तो काम शुरू हो गया। इसका लाभ मान मंदिर को यह हुआ कि उसके भक्तों की संख्या में देश-विदेश में तेजी से बढ़ोतरी हुई और वहां धन की वष्रा होने लगी। तब मुझे विरोध करने वाले अव्यावहारिक प्रतीत होते थे।

पर आज जब मैं पलट कर देखता हूं तो मुझे लगता है कि वाकई इस प्रयोग ने मान मंदिर के पवित्र, शांत और निर्मल वातावरण को बहुत सारे झमेलों में फंसा दिया। वहां टीवी का प्रवेश न हुआ होता तो वहां का अनुभव पारलौकिक होता था जिसे अनुभव करने नीतीश कुमार, अर्जुन सिंह, सुषमा स्वराज, लालू यादव, केंद्रीय सतर्कता आयुक्त और सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश तक उस दौर में वहां गए और गद्गद् हो कर लौटे।

हमने बात शुरू की थी सोशल मीडिया पर बाबाओं के संग्राम से और बात पहुंच गई अध्यात्म की एकांतिक अनुभूति से शुरू होकर उसके व्यावसायीकरण तक। इस आधुनिक तकनीकी ने जहां श्री राधा कृष्ण की भक्ति का और ब्रज की संस्कृति का दुनिया के कोने-कोने में प्रचार किया वहीं इसका दुष्परिणाम यह हुआ कि आज वृंदावन, गोकुल, गोवर्धन, बरसाना, मथुरा आदि अपना सदियों से संचित आध्यात्मिक वैभव और नैसर्गिक सौंदर्य तेजी से समेटते जा रहे हैं। हर ओर बाजार शक्तियों ने हमला बोल दिया है। कहते हैं कि विज्ञान अगर हमारा सेवक बना रहे तो उससे बहुत लाभ होता है पर अगर वो हमारा स्वामी बन जाए तो उसके घातक परिणाम होते हैं। एक ब्रजवासी होने के नाते और संतों के प्रति श्रद्धा होने के नाते मेरा देश भर के संतों से विनम्र निवेदन है कि सोशल मीडिया के संग्राम से बचें और अपने अनुयायियों को होड़ में आगे आकर अपना बढ़ा-चढ़ा कर प्रचार करने से रोकें जिससे वे अपना ध्यान भजन साधन के अलावा तीर्थस्थलों के सौंदर्यीकरण और रखरखाव में लगा सकें ताकि तीर्थयात्रियों को ब्रज जैसे तीथरे में जाने पर सांस्कृतिक आघात न लगे, जो आज उन्हें लगने लगा है। *(ये लेखक के अपने विचार हैं)*

सू- दोकू क्र.146

	9			2				1
		5	1				3	
7				9		8		5
	8		3		7		5	
2		7				1		3
	4			1			8	
6		2			9			
	5		7			3		
		8		5			6	7

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.145 का हल

7	8	2	6	3	1	4	5	9
6	4	1	8	5	9	2	7	3
9	3	5	4	7	2		1	8
2	6	3	1	9	7	5	8	4
5	7	8	3	6	4	1	9	2
1	9	4	5	2	8	7	3	6
4	5	7	2	8	3	9	6	1
3	1	6	9	4	5	8	2	7
8	2	9	7	1	6	3	4	5

आतंकी हमला प्रशासन के लिए चिंता का विषय

एक महीने के भीतर कठुआ में दूसरी बार आतंकी हमला हुआ है जो सरकार, सुरक्षा बल और प्रशासन के लिए चिंता का विषय है।

पिछली कुछ आतंकी घटनाओं का ट्रेंड बता रहा है कि दहशतगर्दों ने अपनी रणनीति में बदला किया है। अब जम्मू और विशेषकर कठुआ आतंक का नया गढ़ बनता दिख रहा है। हालांकि जम्मू-कश्मीर में अलगाववाद और आतंकवाद के शुरुआती दिनों में यह इलाका आतंकवादियों का अच्छा खासा ठिकाना बन गया था। लेकिन सुरक्षा बलों ने विशेष अभियान चलाकर कठुआ और उसके आसपास के इलाके को आतंक से मुक्त करा लिया था।

संविधान के अनुच्छेद 370 को निरस्त किए जाने के बाद जम्मू-कश्मीर में अमन-चैन बहाल हो रहा था लेकिन जब से विधानसभा चुनाव की आहट तेज हुई है, अचानक आतंकवादी सक्रिय हो गए हैं। हाल के महीनों में आतंकियों ने सीमावर्ती जिले पूंछ, राजौरी, डोडा और रियासी में एक के बाद एक हमले किए हैं। अब आतंकी घाटी की ओर से जम्मू की ओर रुख करने लगे हैं। इसकी बड़ी वजह कठुआ की प्रकृति और बनावट है।

यह क्षेत्र पहाड़ियों और घनघोर जंगलों से भरा-पूरा है और इसके एक ओर पाकिस्तान की सीमा लगती है और दूसरी ओर पंजाब और हिमाचल है। सीमा पार से आने वाले आतंकवादी वारदात को अंजाम देकर जंगलों के रास्ते पाकिस्तान वापस चले जाते हैं। इस जिले की जनसांख्यिकी भी कश्मीर घाटी से अलग है। यहां हिन्दुओं की आबादी अधिक है। ऐसा हो सकता है कि चुनाव से पहले सांप्रदायिक माहौल खराब करना भी पाक प्रायोजित आतंकवादियों का एक राजनीतिक लक्ष्य हो।

इस तथ्य से इंकार नहीं किया जा सकता कि रियासी में इसी इरादे से श्रद्धालुओं की बस को निशाना बनाया गया हो। यह कहा जाता है कि आतंकवाद की कोई निश्चित उम्र नहीं होती। देखा गया है कि कभी-कभी यह एक समय बाद स्वत: ही खत्म हो जाता है। लेकिन कश्मीर में जारी आतंकवाद के पीछे पाकिस्तान की बड़ी भूमिका से कोई भी इंकार नहीं कर सकता। शायद इसलिए भी यहां आतंकवाद लंबे समय से जीवित है। अब यह देखने वाली बात होगी कि यहां आतंकवाद के विरुद्ध जारी निर्णायक युद्ध में केंद्र सरकार का पाकिस्तान के प्रति क्या रुख रहता है।(आरएनएस)

प्रभु देवा की डांसिंग फिल्म के टाइटल मून वॉक का एलान

इंडियन फिल्म इंडस्ट्री के दिग्गज कोरियोग्राफर प्रभु देवा अपने फैंस के लिए फिर हाजिर हैं एक फुल डांसिंग फिल्म लेकर। प्रभु देवा ने बीती 22 मार्च 2024 को अपनी नई डांसिंग फिल्म का एलान किया था और अपनी सुपरहिट फिल्म हम से है मुकाबला के हिट सॉन्ग मुकाबला के हुकअप स्टेप्स के पोस्टर शेयर किए थे। बीती 22 मार्च 2024 से प्रभु देवा के फैंस को उनकी इस फिल्म के नाम और इसकी रिलीज डेट के एलान का इंतजार था। प्रभु देवा ने अपनी इस फिल्म से एक तोहफा अपने फैंस को दिया है। प्रभु देवा ने अपनी इस फिल्म के नाम का खुलासा कर दिया है। साथ ही फिल्म की पूरी स्टार कास्ट के नाम भी गिना दिए हैं।

फिल्म मून वॉक में दिग्गज कंपोजर एआर रहमान का म्यूजिक होगा। यह छठवीं बार होगा, जब प्रभु देवा और एआर रहमान एक साथ कोई फिल्म करने जा रहे हैं। इस जोड़ी ने फिल्म हमसे है मुकाबला से ऐसा धमाका मचाया था, जो आज तक भी लोग भूले नहीं हैं। फिल्म का हिट सॉन्ग मुकाबला आज भी हिट सॉन्ग की लिस्ट में है। अब एआर रहमान और प्रभु देवा अपने सिनेमैटिक प्रोजेक्ट के लिए साथ लौटे हैं।

मून वॉक को मनोज एनएस डायरेक्ट करने जा रहे हैं। इस फिल्म में प्रभु देवा के साथ-साथ अपनी कॉमिक टाइमिंग से हंसाने वाले योगी बाबू, अजू वर्गीस, अर्जुन अशोकन, सेट्ज, निश्मा चेंगपा, सुष्तिमा नायक, रेडिन किंग्स्ले, मोट्टई राजेंद्रन, सिंघमपुली, टीएसआर श्रीनिवासन, दीपा शंकर, डॉ। संतोष जैकब और रामकुमार नटराजन अहम रोल में नजर आएंगे। दिव्या मनोज और डॉक्टर प्रवीन एलॉक ने फिल्म को प्रोड्यूस किया है। बिहाइंडवुड्स फिल्म को पेश कर रहे हैं।

बता दें, इससे पहले बीती 22 मार्च 2024 को एआर रहमान ने अपने एक्स अकाउंट पर एक पोस्ट शेयर कर इस फिल्म एआरआरडीपी6 का एलान किया था। साथ ही इस फिल्म का पोस्टर भी जारी किया था। सबसे पहले इस जोड़ी ने 1990 में साथ में काम किया था। साल 1994 में फिल्म कधलान (हमसे है मुकाबला) के सॉन्ग मुकाबला, उर्वशी उर्वशी और प्रेमिका ने प्यार से से धमाल मचाया था।

यातायात व्यवस्था का जायजा लेने ग्राउंड जीरो पर उतरे एसएसपी

देहरादून (सं)। स्कूलों के समय में किये गये परिर्वतन के बाद एसएसपी अजय सिंह ने ग्राउंड जीरों पर उतरकर शहर की यातायात व्यवस्था का जायजा लिया। आज यहां एसएसपी अजय सिंह द्वारा जारी किये गये आदेश पर परिवर्तित समय के साथ खुले जनपद के 19 बडे स्कूल, 02 स्कूलो द्वारा 02 दिन बाद से समय परिवर्तन लागू करने के सम्बंध में किया था। शहर के क्लस्टर एरिया में स्थित 21 बडे स्कूलों के खुलने व छुट्टी के समय यातायात व्यवस्था पर पडने वाले दबाव के दृष्टिगत वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अजय सिंह द्वारा उक्त सभी स्कूलों के समय में परिवर्तन कर यातायात के दबाव को कम करने हेतु आदेश जारी किये गये थे, जिसके क्रम में सेंट जोसेफ तथा कान्वेंट स्कूल को छोडकर शेष 19 स्कूलों द्वारा समय सारणी में परिवर्तन करते हुए स्कूलों को संचालित किया गया। आज से स्कूलों की समय सारणी में हुए परिवर्तन तथा उससे यातायात व्यवस्था में पडे प्रभाव का आंकलन करने हेतु वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अजय सिंह सहित सभी आला अधिकारी आज ग्राउण्ड जीरो पर मौजूद रहे। इस दौरान स्कूलों के खुलने व छुट्टी के समय स्कूलों के आस-पास व मुख्य मार्गो पर यातायात के दबाव का आंकलन करने पर पाया गया कि कुछ स्कूलों द्वारा अपने स्कूलों के बाहर मुख्य मार्गों पर यातायात के संचालन हेतु कोई भी गार्ड नियुक्त नहीं किया गया है तथा कुछ स्कूलों द्वारा जिन गार्डों को नियुक्त किया गया है, उनके द्वारा यातायात प्रबन्धन में कोई सहयोग नहीं किया जा रहा है, साथ ही स्कूल में बच्चों को लाने/ले जाने के लिये पब्लिक ट्रांसपोर्ट की तुलना में निजी वाहनो का अधिक प्रयोग किया जा रहा है, जिससे स्कूलों के आस-पास के मार्गों पर स्कूलों के खुलने तथा छुट्टी के समय यातायात का दबाव बढ रहा है। स्कूलों के समय में किये गये परिवर्तन से छुट्टी के समय मुख्य मार्गों राजपुर रोड, नेहरू कालोनी आदि स्थानों पर यातायात का दबाव आम दिनों की तुलना में कम रहा तथा बलवीर रोड, कर्जन रोड आदि क्षेत्रों में सडकों के संकरा होने तथा स्कूलों में अभिभावकों के प्राइवेट वाहनों की अधिकता होने के कारण यातायात का दबाव रहा, जिसके सम्बन्ध में भविष्य में सभी स्कूल संचालकों द्वारा अपने स्कूलों में पब्लिक ट्रांसपोर्ट को बढावा देने तथा इसके लिये अभिभावकों को प्रेरित करने के सम्बन्ध में गोष्ठी आयोजित की जायेगी, साथ ही स्कूलों के बाहर समुचित यातायात प्रबन्धन के लिये आवश्यकता अनुसार अपेक्षित गार्ड नियुक्त करने के सम्बन्ध में अवगत कराया जायेगा। स्कूलों के समय में परिवर्तन से मुख्य मार्गों पर यातायात के दबाव में दिखे सकारात्मक सुधार की आम जनमानस तथा अभिभावकों द्वारा सराहना की गई।

तीन दुपहिया वाहन चोरी

देहरादून (सं)। चोरों ने तीन दुपहिया वाहन चोरी कर लिये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार गोविन्द गढ निवासी खुशबु अग्रवाल ने कैण्ट कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह किसी काम से चकराता रोड पर गयी थी। उसने अपनी स्कूटी एक दुकान के बाहर खडी की थी लेकिन जब वह थोडी देर बाद वापस आयी तो उसकी स्कूटी अपने स्थान से गायब थी। वहीं निरंजनपुर निवासी कपिल नेगी ने क्लेमनटाउन थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह डाट काली मंदिर गया था। उसने अपनी मोटरसराईकिल मंदिर के बाहर खडी की थी लेकिन जब वह थोडी देर बाद वापस आया तो उसकी मोटरसाईकिल अपने स्थान से गायब थी। इसके साथ ही सुमन नगर निवासी सीता रतूडी ने कैण्ट कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि चकराता रोड स्थित रमाडा होटल के बाहर से उसकी स्कूटी चोरी हो गयी जिसमें दो मोबाइल फोन व दो हजार रूपये नगद रखे हुए थे।

उत्तराखंड का एक और सैनिक हुआ ... ◀◀ पृष्ठ 1 का शेष

है। श्रवण के अन्य दो भाई भी भारतीय सेना में तैनात है। उनके माता पिता गांव में खेतीबाड़ी का कार्य करते है। शहीद श्रवण 2017 में भारतीय सेना में भर्ती हुए थे। 27 वर्षीय श्रवण के शहीद होने की सूचना पर गांव व क्षेत्र में मातम छाया हुआ है। श्रवण अविवाहित बताया जा रहा है।

कांवड़ यात्रा पर विवाद का साया... ◀◀ पृष्ठ 1 का शेष

एनडीए घटक दलों द्वारा भी इसको गलत बताकर इसको वापस लेने की बात कही जा रही है। भाजपा नेता मुख्तार अब्बास नकवी का कहना है कि यह अधिकारियों द्वारा हड़बड़ी में गड़बड़ी वाला फैसला है और इससे साम्प्रदायिकता को हवा मिलेगी। उधर किसी यात्री ने भी सरकार के इस फैसले को गलत बताते हुए इसे वापस लेने की मांग की है और कहा है कि इससे साम्प्रदायिक तनाव बढ़ेगा। उधर मोदी सरकार के सहयोगी आरएलडी के रामाशीश चौधरी का कहना है कि साम्प्रदायिकता को बढ़ावा देने वाले इस कदम को तुरन्त वापस लिया जाना चाहिए। इस मुद्दे को लेकर जिस तरह का विरोध सरकार के अंदर व बाहर से होता दिख रहा है उस किसी भी स्थिति में न तो राजनीति के लिए और न समाज के लिए हितकर माना जा रहा है।

पर्यावरण को हरा भरा करने में अपना योगदान दें:जोशी

संवाददाता

देहरादून। कृषि मंत्री गणेश जोशी ने पर्यावरण को हरा-भरा बनाने में अपना योगदान देने का आव्हान किया।

आज यहां कृषि मंत्री गणेश जोशी ने लोकपर्व हरेला के उपलक्ष्य एवं एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत देहरादून कंडोली चिड़ोवाली स्थित सीनियर सिटीजन पार्क में आयोजित वृक्षारोपण कार्यक्रम में प्रतिभाग कर वृक्षारोपण किया। इस दौरान मंत्री गणेश जोशी ने एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत मां के सम्मान में भी पौधा लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। गणेश जोशी ने सभी से प्रधानमन्त्री नरेंद्र मोदी के एक पेड़ मां के नाम अभियान में अधिक से अधिक संख्या में अपनी सहभागिता सुनिश्चित कर पर्यावरण को हरा-भरा बनाने में अपना योगदान देने का आव्हान किया। उन्होने कहा आज जल स्रोत सुख रहे है जिसका कारण पेड़ों का कटान जो चिंता जनक है।

कृषि मंत्री ने कहा कि जलवायु परिवर्तन के कारण मानसून के समय वर्षा न होना एवं बिना मानसून के अत्यधिक वर्षा होने से हमारी फसल चक्र प्रभावित होगी, फसल चक्र प्रभावित होने से हम सबके सामने खाद्य संकट जैसी कई समस्याऐं खड़ी हो सकती है। उन्होने कहा हर वर्ष वृहद स्तर पर वृक्षारोपण किया जाता है।

उन्होंने सभी से अपील करते हुए कहा जो वृक्ष हमसब लगाते है उसे देखें कि अगले वर्ष वह कितना बढ़ा है, और उसकी पूरी देखभाल भी करें।

इस दौरान समिति के सदस्यों द्वारा पार्क के जीर्णोधार और सौंदर्यकरण के संबंध में मांग पत्र भी सौंपा। जिस पर मंत्री गणेश जोशी ने सकारात्मक आश्वासन देते हुए शीघ्र आवश्यक कारवाई का भरोसा दिलाया। इस अवसर पर समिति अध्यक्ष सुभाष नौडियाल, सचिव आई. एस. चौहान, कोषाध्यक्ष के.एस रावत, मंडल अध्यक्ष प्रदीप रावत, महानगर महामंत्री सुरेंद्र राणा, मंजीत रावत, संजय नौटियाल, मंडल महामंत्री आशीष शर्मा, चुन्नी लाल, अजय कार्की सहित कई लोग उपस्थित रहे।

जुलूस के दौरान उपद्रव मामले में 4 और गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। मंगलौर विधानसभा उपचुनाव के परिणाम घोषित होने के पश्चात अपनी पार्टी के जीतने की खुशी में बिना अनुमति जुलूस निकालना, डीजे बजाना, तथा दूसरी पार्टी के समर्थकों के मकान पर पत्थर आदि फेंकना, पुलिस पार्टी के साथ अभ्रद्र व्यवहार करना एंव आम जनता के व्यवसाय और अधिकारो मे व्यवधान उत्पन्न करना कुछ लोगों को भारी पड़ गया। पुलिस ने उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उन्हे गिरफ्तार कर लिया है।

जानकारी के अनुसार बीती 15 जुलाई को श्रीमती अनविक्षा (काल्पनिक नाम) निवासी मंगलौर द्वारा अंतर्गत धारा

पांच लोगों को पूर्व में ही किया जा चुका है गिरफ्तार

191(2), 351(2), 125 भारतीय न्याय संहिता 2023 के अंतर्गत मुकदमा दर्ज कराया गया था। जिस पर कार्यवाही करते हुए पुलिस टीम द्वारा 5 आरोपियों को पूर्व में गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी हेतु किए जा रहे प्रयास के फलस्वरूप पुलिस टीम द्वारा आज उक्त प्रकरण में फरार चल रहे 4 अन्य आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। पूछताछ में उन्होने अपना नाम रिहान पुत्र मुन्ना निवासी मोहल्ला मिर्धगान थाना कोतवाली मंगलौर, शाहरुख पुत्र नसीर निवासी मोहल्ला मिर्धदान थाना कोतवाली मंगलौर, सावेज पुत्र सगीर निवासी मोहल्ला मिरदीदान थाना कोतवाली मंगलौर व शाबाज पुत्र सुक्का निवासी मौहल्ला मृधदान थाना कोतवाली मंगलौर बताया। पुलिस ने उनके खिलाफ अग्रिम कार्यवाही शुरू कर दी है।

विभिन्न मुद्दों को लेकर राजनैतिक व सामाजिक संगठनों ने एडीएम को दिया ज्ञापन

संवाददाता

देहरादून। विभिन्न मुद्दों को लेकर राजनैकि एवं सामाजिक संगठनों ने अपर जिलाधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन प्रेषित किया।

आज विभिन्न राजनैतिक एवं सामाजिक संगठनों जिसमें सीपीएम, सीआईटीयू, यूकेडी, उत्तराखण्ड आन्दोलनकारी परिषद, नेताजी संघर्ष समिति, आल इण्डिया लॉयर्स यूनियन (एआईएलयू) के संयुक्त प्रतिनिधिमंडल ने अतिरिक्त जिलाधिकारी (प्रशासन) जयभारत से मुलाकात कर उन्हें जिलाधिकारी तथा मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन दिया। ज्ञापन में उन्होंने कहा कि 22 जून 024 ऋषिकेश कोतवाली में झूठे केस में बन्द रणबीरसिंह की पुलिस अभिरक्षा में बुरी तरह मारपीट के बाद सुद्धोवाला जिलाकारागार में न्यायिक अभिरक्षा में संदिग्ध परिस्थितियों में मृत्यु की उच्च स्तरीय जांच की जाये तथा दोषियों को दण्डित करने तथा पीड़ित परिवार को

मुआवजा दिया जाये। उन्होंने कहा कि जोशीमठ में सुभाई के दबंगों द्वारा 10 अनुसूचित जाति के परिवार वालों का उत्पीड़न तथा उन्हें गांव से तड़ीपार करने तथा आर्थिक दण्ड लगाने वालों के खिलाफ कानूनी कार्यवाही की जाये साथ ही हरिद्वार संघपुर गांव हुऐ बलात्कार के दोषियों के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्यवाही हो। उन्होंने कहा कि देहरादून के नवादा में धर्मान्तरण की आढ़ में एक परिवार से जुड़े लोगों द्वारा ईसाई परिवार घर में तोड़फोड करने वालों नामजद लोगों की गिरफ्तारी हो।

ज्ञातव्य है कि एसएसपी देहरादून ने नवादा घटना को धर्मान्तरण की घटना मानने के बावजूद भी आरोपियों को गिरफ्तार नहीं किया। आरोपी देवेन्द्र डोभाल आदि द्वारा श्रीमती दीक्षा पोल के घर में घुसकर तोड़ फोड़ तथा ईसाई समाज के धार्मिक प्रतीक चिन्हों को तोड़ना तथा गालीगलोज तथा जान से मारने की धमकी दी गई जिसकी शिकायत श्रीमती पोल ने पुलिस में कर अपने परिवार कि जानमाल कि सुरक्षा कि गुहार लगाई जिसका बहाना बनाकर आरोपियों ने इस प्रकार की गैरकानूनी हरकतों को अन्जाम दिया तथा समाज में अशान्ति फैलाने का कुत्सित प्रयास किया। ज्ञापन देने वालों में सीपीएम सचिव अनन्त आकाश, आयूपी के अध्यक्ष नवनीत गुंसाई, सीआईटीयू महामंत्री लेखराज, यूकेडी से प्रमिला रावत, आयूपी के नेता वालेश बवानिया,उत्तराखण्ड आन्दोलनकारी परिषद के जिलाध्यक्ष सुरेश कुमार, प्रवक्ता चिन्तन सकलानी, नेताजी संघर्ष समिति के प्रभात कुमार, उपेन्द्र सेमवाल आदि शामिल थे।

एक नजर

अब कांवड़ यात्रा मार्ग में दुकानों पर 'नेमप्लेट' लगाना अनिवार्य होगा

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार (19 जुलाई) को कांवड़ यात्रा मार्ग पर स्थित सभी भोजनालयों (ढाबों), दुकानों, ठेले वालों के लिए आदेश जारी किया है। इस आदेश में साफ-साफ कहा गया है कि सभी दुकानदार, ढाबे वाले और ठेलेवाले अपने मालिकों का नाम और पहचान दोनों लिखे। ताकि कांवड़ यात्री जान सके कि वो किस दुकान से सामान खरीद रहे हैं। कांवड़ यात्रा 22 जुलाई से शुरू होने वाली है। योगी सरकार का यह फैसला मुजफ्फरनगर में उत्तर प्रदेश की पुलिस द्वारा विपक्षी दलों की तीखी प्रतिक्रिया के बाद अपने आदेश को वापस लेने के एक दिन बाद आया है, जिसमें भोजनालयों के लिए मालिकों के नाम प्रदर्शित करना 'स्वैच्छिक' बना दिया गया था। निर्देश के

मुताबिक, प्रत्येक खाद्य दुकान या ठेले के मालिक को बोर्ड पर मालिक का नाम लिखना होगा। तमाम विवादों के बीच सीएम योगी ने कांवड़ यात्रियों के लिए ये कदम उठाया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ कार्यालय ने कहा है कि पूरे उत्तर प्रदेश में खाने पीने की दुकानों पर नेमप्लेट लगाना अनिवार्य होगा और दुकानों पर संचालक मालिक का नाम और पहचान भी लिखा होना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि कांवड़ यात्रियों की पवित्रता को बनाए रखने के लिए यह फैसला लिया गया है। अब हर खाने-पीने की जगह, चाहे वह रेस्टोरेंट हो, सड़क किनारे ढाबा हो या फिर खाने-पीने का ठेला हो, उसे मालिक का नाम दिखाना होगा। सीएम ऑफिस के मुताबिक, कांवड़ यात्रियों की आस्था की शुचिता बनाए रखने के लिए राज्य सरकार ने ये फैसला लिया है।

दिल्ली से सैन फ्रांसिस्को जा रही एयर इंडिया की फ्लाइट ने रूस में की लैंडिंग

नई दिल्ली। एयर इंडिया ने शुक्रवार को कहा कि उसकी दिल्ली से सैन फ्रांसिस्को की उड़ान के सभी यात्री सुरक्षित हैं और उन्हें सभी आवश्यक सहायता प्रदान की जा रही है। बता दें कि एयर इंडिया की दिल्ली से सैन फ्रांसिस्को जा रही फ्लाइट को तकनीकी खराबी के कारण रूस की ओर मोड़ दिया गया था।

एयरलाइन ने कहा कि कॉकपिट क्रू को कार्गो होल्ड एरिया में संभावित समस्या का पता चलने के बाद फ्लाइट को रूस के क्रास्नोयार्स्क क्राय में क्रास्नोयार्स्क अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर एहतियाती लैंडिंग करनी पड़ी। फ्लाइट में 225 यात्री और फ्लाइट क्रू के 19 सदस्य सवार थे। एयरलाइन के मुताबिक, इन सभी को आगे की प्रक्रिया के लिए टर्मिनल बिल्डिंग ले जाया गया। एयरलाइन ने कहा कि चूंकि क्रास्नोयार्स्क अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर एयर इंडिया का अपना स्टाफ नहीं है, इसलिए वह यात्रियों को आवश्यक सहायता प्रदान करने के लिए तीसरे पक्ष के समर्थन की व्यवस्था कर रही है। एयरलाइन ने एक बयान में कहा, ष्चूंकि एयर इंडिया के पास क्रास्नोयार्स्क में अपना स्टाफ नहीं है, इसलिए हम यात्रियों को सभी आवश्यक सहायता प्रदान करने के लिए तीसरे पक्ष की सहायता की व्यवस्था कर रहे हैं।

तमिलनाडु में डिप्टी सीएम बन सकते हैं उदयनिधि स्टालिन

चेन्नई। तमिलनाडु में सत्तारूढ़ पार्टी डीएमके में बड़ा फेरबदल हो सकता है क्योंकि उदयनिधि स्टालिन के पद में इजाफा हो सकता है। कई मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, उदयनिधि स्टालिन तमिलनाडु में खेल मंत्री से डिप्टी सीएम बन सकते हैं। हालांकि, अभी तक इन अफवाहों पर किसी तरह की आधिकारिक मुहर नहीं लगी है लेकिन जल्द ही तस्वीर साफ हो सकती है। इस बीच, डीएमके पार्टी के कार्यकर्ता और नेता चाहते हैं कि तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन के बेटे को उपमुख्यमंत्री बनाया जाए, यह कदम 2026 के विधानसभा चुनावों में पार्टी के लिए ष्बहुत बड़ा फायदाष होगा। हालांकि, डीएमके के आयोजन सचिव आरएस भारती ने स्पष्ट किया कि पार्टी अध्यक्ष और सीएम स्टालिन इस मामले पर अंतिम फैसला लेंगे। यह कदम उनके पिता एमके स्टालिन के कदम जैसा ही है, जो 2009 के लोकसभा चुनावों के बाद उपमुख्यमंत्री बने थे। डीएमके की युवा शाखा के नेता और चेपक-तिरुवल्लिकेनी निर्वाचन क्षेत्र से विधायक उदयनिधि ने दिसंबर 2022 में डीएमके कैबिनेट के मंत्री के रूप में शपथ ली। उदयनिधि स्टालिन वर्तमान में राज्य के युवा कल्याण और खेल विकास मंत्रालय और विशेष कार्यक्रम कार्यान्वयन विभाग और गरीबी उन्मूलन कार्यक्रम और ग्रामीण ऋणग्रस्तता मंत्रालय संभाल रहे हैं।

एसटीएफ ने 78 लाख रूपये की स्मैक के साथ एक को किया गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। एसटीएफ ने 78 लाख रूपये की स्मैक के साथ एक को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

आज यहां इसकी जानकारी देते हुए एसएसपी एसटीएफ आयुष अग्रवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि आज उत्तराखण्ड एसटीएफ की एण्टी नारकोटिक्स टास्क फोर्स द्वारा थाना नेहरू कॉलोनी क्षेत्र में स्थानीय पुलिस के साथ संयुक्त कार्यवाही करते हुए जोगीवाला बैरियर हरिद्वार रोड के पास से एक व्यक्ति शाहिद मालिक पुत्र असलम मलिक निवासी अलवलावलपुर थाना फतेहपुर जनपद सहारनपुर उत्तरप्रदेश हाल पता शकुंतला एनक्लेव थाना पटेलनगर को 263 ग्राम स्मैक के साथ गिरफ्तार किया गया। शाहिद द्वारा पूछताछ पर बताया कि बरामद की गयी स्मैक को वह बरेली उत्तर प्रदेश से लेकर आया था। शाहिद से पूछताछ में यह भी पता चला कि सहारनपुर से आकर देहरादून में किराए में रहकर देहरादून में अपने एजेण्टों के माध्यम से आस पास के छात्रों को विक्रय करता था। इस पर एसटीएफ द्वारा पूछताछ में अन्य कई ड्रग्स तस्करों के नाम की जानकारी हुई है, जिन पर अलग से कार्यवाही की जायेगी।एसएसपी एसटीएफ ने बताया कि पकडी गयी स्मैक की कीमत 78 लाख रूपये है। एसटीएफ ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

इस वर्ष अब तक एसटीएफ की एएनटीएफ टीम द्वारा 41 नशा तस्करों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 14 करोड़ 15 लाख 40 हजार रूपये मूल्य की स्मैक, 39 लाख 61 हजार रूपये मूल्य की चरस,10 लाख रूपये मूल्य का गांजा, 15 लाख रूपये मूल्य का डोडा पोस्त, 05 लाख 32 हजार रूपये मूल्य की अफीम एवं करीब 4.50 लाख रूपये मूल्य की एम0डी0 कुल लगभग 15 करोड़ रूपये मूल्य की ड्रग्स को बरामद करने में सफलता पायी है।

नौकरी मांगने आयी युवती को बंधक बनाकर मारपीट करने वाला गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। नौकरी मांगने आयी युवती को बंधक बनाकर उसके साथ मारपीट करने वाले को पुलिस ने गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार मेरठ निवासी युवती यहां विंडलास शापिंग कम्प्लैक्स में सुमित मनवाल के कार्यालय पर काम मांगने के लिए गयी थी। इसी दौरान सुमित मनवाल ने उसपर अभद्र टिप्पणी कर दी। जिसका युवती ने विरोध किया तो सुमित मनवाल व उसके अन्य साथियों के द्वारा युवती को बंधक बनाकर उसके साथ जमकर मारपीट शुरू कर दी। शोर सुनकर आसपास के लोग वहां पहुंचे और उन्होंने इसकी सूचना कोतवाली पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और सुमित मनवाल को गिरफ्तार कर कोतवाली ले गयी। जहां पर उसके खिलाफ युवती के द्वारा मुकदमा दर्ज कराया गया।

दुकान का ताला तोडकर नगदी चोरी

संवाददाता

देहरादून। चोरों ने दुकान का ताला तोडकर वहां से नगदी व सामान चोरी कर लिया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार टर्नर रोड निवासी मुसीर ने कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसकी राजा रोड पर दुकान है। आज जब वह अपनी दुकान पर पहुंचा तो उसने देखा कि उसकी दुकान का ताला टूटा हुआ था तथा अन्दर गल्ले से नगदी व उसका आधार कार्ड गायब था। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

अज्ञात वाहन की चपेट में आकर महिला घायल

संवाददाता

देहरादून। अज्ञात वाहन की चपेट में आकर बस से उतरकर पैदल जा रही महिला गम्भीर रूप से घायल हो गयी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार अपर नथनपुर निवासी शशिबाला बस से नन्दा की चौकी के पास उतर कर पैदल जा रही थी। थोडी दूरी पर ही उसको अज्ञात वाहन ने अपनी चपेट में ले लिया जिससे उसके दोनों पैर फ्रैक्चर हो गये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

गुलदार के हमले में किशोर क्रिकेटर की मौत

हमारे संवाददाता

टिहरी। देवप्रयाग तहसील क्षेत्र में बीती शाम गुलदार ने क्रिकेट खेलकर लौट रहे एक 17 वर्षीय किशोर अनुराग चौहान पर हमला कर दिया। गुलदार के हमले में अनुराग की जान चली गई। सूचना मिलने पर किशोर का क्षत-विक्षत शव घटनास्थल से काफी दूरी पर देर रात स्थानीय लोगों तथा वन विभाग ने बरामद किया है।

गुलदार के हमले की इस घटना के बाद से पूरे इलाके में शोक की लहर है। साथ ही पूरे इलाके में खौफ भी पसरा हुआ है। स्थानीय लोगों ने इलाके में पिंजरा लगाने की भी मांग प्रशासन से की है। देवप्रयाग के निवर्तमान सभासद रूपेश गुसाईं ने बताया कि देवप्रयाग तहसील में स्टाम्प विक्रेता बलवंत सिंह चौहान का पुत्र देवप्रयाग डिग्री कॉलेज में क्रिकेट खेलने गया था। देर शाम करीब सात बजे अनुराग चौहान डिग्री कॉलेज से खेलकर लौट रहा था, अचानक रास्ते में घात लगाए बैठा गुलदार उसे उठा ले गया। प्रत्यक्षदर्शियों के शोर मचाने पर भी जब गुलदार ने उसे नहीं

छोड़ा तो मामले की जानकारी स्थानीय पुलिस और वन विभाग की टीम को दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस और वन विभाग के लोग स्थानीय नागरिकों के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। इसके बाद गुलदार द्वारा उठा ले गए किशोर की खोजबीन शुरू हुई। कई घंटों तक अनुराग को ढूंढा गया लेकिन किशोर का कुछ पता न चल सका। देर रात करीब साढ़े दस बजे वन विभाग तथा पुलिस की टीम को अनुराग चौहान का क्षत-विक्षत शव बरामद हुआ। किशोर की मां शिक्षा विभाग में कार्यरत हैं। देवप्रयाग क्षेत्र में अचानक हुई इस घटना से लोग सन्न रह गए हैं और दहशत में हैं। क्षेत्रवासियों ने मांग की है कि जल्द गुलदार को नरभक्षी घोषित कर मार गिराया जाए।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।